छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

वर्ष - 05 अंक - 53 बैकुंठपुर, गुरूवार 21 नवम्बर 2024 पृष्ठ -8 मूल्य -1

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351

www.cgfrontline.com

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के जिला प्रबंधक समिति एवं विभिन्न पदों पर हुआ निर्वाचन

रक्तदान एवं सदस्यता हेतु चलाया जाएगा वृहद अभियान

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मंगलवार को कलेक्टर रोहित व्यास की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभाकक्ष में भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी की सामान्य सभा की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जिला प्रबंधक समिति के सदस्यों का चयन किया गया। इसके पश्चात नवनिर्वाचित जिला प्रबंध समिति के सदस्यों की प्रथम बैठक कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें जिसमें जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार को सोसाइटी के चेयरमैन के रूप में अपर कलेक्टर प्रदीप कुमार साहू को वाइस चेयरमैन एवं जिला कोषालय अधिकारी चंद्रकांत केवट को कोषाध्यक्ष एवं जिला समन्वयक रेडक्रॉस को रूपेश कुमार पाणिग्रही का राज्य प्रबंधन समिति हेतु जिला प्रतिनिधि के रूप में निर्विरोध निर्वाचन किया गया। सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया डिप्टी कलेक्टर

विश्वास राव मस्के के संयोजन से संपादित की गई। कलेक्टर ने निर्वाचित पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस बैठक में कलेक्टर ने रेडक्रास सोसायटी में सदस्यों की संख्या बढ़ाने के लिए सदस्यता अभियान चला कर दान संग्रहण बढ़ाने को कहा। इसके लिए सभी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ साथ विभिन्न शासकीय विभागों के निर्माण एजेंसियों एवं संबंधित संस्थाओं के भी कर्मचारियों को भी रेडक्रॉस का सदस्य बनाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर अधिकारियों ने बताया कि पिछले वर्ष भी रेडक्रॉस के माध्यम से प्राप्त राशि से लोगों को सहायता दिलाई जा रही है। इसके साथ राज्य समिति को भी सहायता राशि का एक अंश उपलब्ध कराया जा रहा है। रेडक्रॉस द्वारा चलाये जा रहे मेडिकल स्टोर की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने उसका लाभ सभी को दिलाने के लिए व्यापक प्रचार के निर्देश दिये, एवं सभी शासकीय विभागों को आवश्यक दवाई मेडिकल स्टोर से क्रय करने का निर्देश दिये ।

कलेक्टर ने युवाओं को रेडक्रॉस के साथ जोड़ने के लिए स्कूल एवं कॉलेजों में भी सदस्यता अभियान चलाने तथा उन्हें प्राथमिक उपचार एवं कार्डियोपल्मोनरी रिससीटेशन (सीपीआर) का प्रशिक्षण देने को कहा। इसके साथ ही युवाओं के लिए जिला स्तरीय समागम का आयोजन कर उन्हें साहसिक गतिविधियों से जोड़ने तथा रेडक्रॉस के अंतर्गत प्रशिक्षण देने को कहा। इसके अतिरिक्त उन्होंने दुर्घटना जन्य क्षेत्रों, राष्ट्रीय राजमार्ग एवं राज्य राजमार्ग के आस पास के ग्रामों के युवाओं को भी जोड़कर उन्हें प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए। जिले में ब्लड बैंक में उचित मात्रा में ब्लड की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिले में वृहद स्तर पर ब्लड डोनेशन कैम्प आयोजित करने तथा इस आयोजन में युवाओं के साथ साथ शासकीय कर्मचारियों को भी शामिल करने को कहा। इसके साथ ही ब्लड डोनेशन करने वाले लोगों को रक्त मित्र बनाने तथा उन्हें पुरूस्कृत करने को भी कहा। इसके अतिरिक्त जिन व्यक्तियों को ब्लड की आवश्यकता है उन्हें सही समय और खून उपलब्ध कराने एवं रक्त दान करने वाले लोगों को उनसे जोड़ने के लिए स्वास्थ्य मितान हेल्पलाइन का प्रयोग करने को कहा।

इस बैठक में उपाध्यक्ष रेडक्रॉस जशपुर राजीव जैन, संजय अग्रवाल, एसडीएम आकांक्षा त्रिपाठी, ओंकार यादव, नंदजी पांडेय, ऋतुराज सिंह बिसेन, सचिव भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी डॉ जी.एस.जात्रा एवं अन्य अधिकारी शामिल रहे।

कुख्यात अंतर्राज्यीय गौ-तस्कर मो. याकुब अंसारी जशपुर पुलिस के हत्थे चढ़ा

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुर। पिछले दिनों लोदाम थाना ने मुखबीर की सूचना पर ग्राम भलमंडा के पास घेराबंदी कर चलती वाहन के पहिये को पंचर कर पीकअप वाहन क्र.जे.एच. 01 एफ.क्यू 3817 से कुल 08 नग गौ-वंश जप्त कर अज्ञात फरार आरोपी की पतासाजी की जा रही थी। विवेचना दौरान मुखबीर से सूचना मिला कि उक्त प्रकरण का पशु तस्कर मो. याकुब अंसारी भलमंडा क्षेत्र में घूम रहा है, इस सूचना पर लोदाम थाना द्वारा त्वरित कार्यवाही कर दबिश देकर उसे अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ में पशु तस्कर मो. याकुब अंसारी ने पुलिस को बताया कि यह लकड़ी फर्नीचर बनाने का काम करता है तथा साथ में छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों के ग्रामों से मवेशियों की खरीदी कर लोहरदगा, रांची एवं पश्चिम बंगाल में वध करने के लिये सप्लाई करता है। विगत दिनों

लोदाम थाना द्वारा कार्यवाही कर एक पीकअप से इसके 08 नग मवेशी को जप्त किया गया है। पुलिस द्वारा जप्त किया गया पीकअप वाहन क्र.जे.एच. 01 एफ.क्यू 3817 का मालिक दूसरा व्यक्ति है एवं पीकअप में बैठे मवेशी तस्करी करने वाले 02 व्यक्ति भलमंडा के पास वाहन को छोड़कर भाग गये। इसके अतिरिक्त दिनांक 12.09.2024 को पीकअप क्र. जे.एच. 01 ई.एक्स. 7159 में भी कुल 11 नग गौ-वंश की तस्करी करते चैकी दोकड़ा थाना कांसाबेल द्वारा जप्त किया गया था, उक्त सभी गौ-वंश का मालिक मो. याकुब अंसारी है। दिनांक 03.08.2024 एवं 04.08.2024 की दरम्यानि रात्रि में ग्राम साईंटांगरटोली के पास से पीकअप वाहन क्र. जे.एच. 02 ए.एस. 5243 से इसका 11 नग गौ-वंश को जप्त किया गया है। प्रकरण की विवेचना कार्यवाही एवं आरोपी की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी लोदाम निरीक्षक हर्षवर्धन चैरासे, प्र.आर. रत्नेष यदु, प्र.आर. 371 वितिन राम, आर. 538 सुभाष साय पैंकरा, आर. मोरिस किस्पोट्टा का योगदान रहा है।

सड़क निर्माण के समय डायवर्सन संकेतकों के ना लगाने पर ठेकेदारों पर होगी कार्रवाई

जशपुरनगर। जिला कार्यालय सभाकक्ष में मंगलवार को जिला सड़क सुरक्षा शिविर का आयोजन किया गया इस शिविर में कलेक्टर रोहित व्यास की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जिसमें कलेक्टर ने सड़क नियमों के उल्लंघन पर चालानी कार्यवाही, सड़कों पर दुर्घटना कम करने के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी ली। इसके साथ ही जिले में दुर्घटना जन्य क्षेत्रों की जानकारी लेते हुए ऐसे क्षेत्रों में दुर्घटनाओं की संभावना को कम करने के लिए प्रयास करने तथा ऐसे स्थानों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने को कहा। जागरूकता लाने के लिए सर्वप्रथम शासकीय कार्यालयों के कर्मचारियों के लिए कार्यालय आने के लिए आवश्यक रूप से दोपहिया वाहन में हेलमेट और चार पहिया वाहनों में सीट बेल्ट लगाने के निर्देश दिए हैं। इसके पालन हेतु कलेक्टर ने विभाग प्रमुखों को अपने कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही दुर्घटना संभाव्य क्षेत्रों में रेडियम स्ट्रिप, रम्बल स्ट्रिप, ड्रम एवं स्टॉपर लगाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जिला संग्रहालय का किया निरीक्षण

जशपुरनगर। कलेक्टर ने बुधवार को जिला मुख्यालय स्थित जिला संग्रहालय एवं स्नेह भवन का निरीक्षण किया। जहां उन्होंने संग्रहालय में जशपुर की संस्कृति एवं ऐतिहासिक धरोहरों के संग्रह की सराहना की और संग्रहालय प्रभारी को जिले के वैभवशाली इतिहास से उन्हें परिचित कराने हेतु अभियान चलाने को कहा। उन्होंने जिला संग्रहालय का निरीक्षण करते हुए पुरातत्व विभाग से समन्वय कर इसे नए रूप में विकसित करने को कहा। इसके साथ ही उन्होंने स्थानीय संस्कृति को अच्छे से उजागर किया जा सके इसके लिए स्थानीय जनजातीय समाज प्रमुखों को साथ लेकर उनसे चर्चा कर सलाह लेते हुए इसे विकसित करने को कहा। उन्होंने युवाओं के लिए ओपन थियेटर की तर्ज पर संग्रहालय के समक्ष विकसित करने के साथ पूरे परिसर की सफाई तथा संग्रहालय में आवश्यक मरम्मत कार्य करने को कहा। कलेक्टर ने जिले के पर्यटन मानचित्र एवं एडवेंचर मानचित्र का निर्माण कर संग्रहालय में लगवाने तथा संग्रहालय में ही पर्यटन प्रेमियों के लिए एक पर्यटन ऑफिस की स्थापना के भी निर्देश दिए।

कुनकुरी पुलिस ने कसी यातायात नियमों की लगाम, नियम तोड़ने वालों पर हुई कार्रवाई, 10 चालान

** कुनकुरी की सड़कों पर अब नहीं चलेगी मनमानी*

** यातायात नियमों का पालन अनिवार्य, पुलिस सख्त*

छ.ग.फ्रंटलाइन

कुनकुरी। पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह के निर्देशानुसार शहर में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कुनकुरी पुलिस द्वारा लगातार वाहनों की चेकिंग की जा रही है। आज दिनांक 20 नवंबर 2024 को कुनकुरी थाना प्रभारी उप निरीक्षक सुनील सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने वाहनों की चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग के दौरान लोगों को यातायात नियमों का पालन करने, विधिवत ड्राइविंग लाइसेंस लेकर वाहन चलाने, बीमा और रजिस्ट्रेशन दस्तावेजों का पूर्ण होना तथा दोपहिया वाहन पर तीन सवारी न लेने और हेलमेट लगाकर वाहन

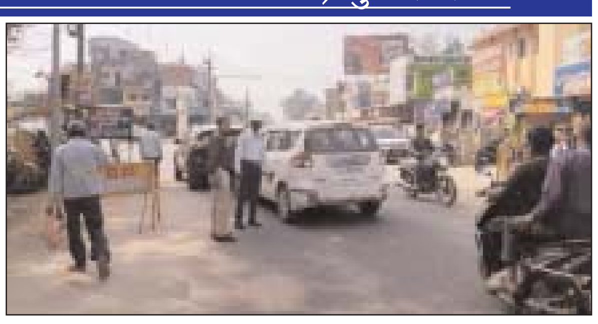

चलाने के लिए जागरूक किया गया। जानबूझकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 10 वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। इन सभी वाहन चालकों को न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने कहा कि शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए पुलिस प्रशासन प्रतिबद्ध है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और अपनी और दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। उप निरीक्षक सुनील सिंह ने बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फरसाबहार में अवैध रूप से परिवहित लगभग 63 बोरी अवैध धान किया गया जब्त

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देश पर अन्य राज्यों से अवैध रूप से परिवहित और संग्रहित धान के खिलाफ जिला प्रशासन की सख्त कार्यवाही जारी है। इसी कड़ी में उड़ीसा से अवैध रूप से धान परिवहित की जा रही एक पिकअप वाहन को फरसाबहार की संयुक्त टीम के द्वारा जप्त कर कार्यवाही की गई है। जानकारी के मुताबिक ग्रामीणों के द्वारा दी गई सूचना के आधार पर फरसाबहार नायब तहसीलदार, तपकरा टीआई, फूड इंस्पेक्टर और पटवारियों के द्वारा की गई संयुक्त कार्यवाही में रेंगनमुडा, लवाकेरा में उड़ीसा से अवैध रूप से धान परिवहित होकर आ रही एक पिकअप गाड़ी नंबर ओडी 16 सी 4563 से लगभग 63 बोरा अवैध धान जप्त कर कार्यवाही की गई है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने अन्य राज्यों के अवैध धान की विक्रय व परिवहन एवं अवैध संग्रहण तथा कोचियों एवं बिचौलियों के द्वारा समिति में धान लाकर अन्य किसानों के पंजीयन में धान खपाने आशंका होने पर जांच एवं प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार कार्यवाही किए जाने व सतत निगरानी हेतु टास्क फोर्स का गठन किया है।

कलेक्टर ने जिले की निर्माण एजेंसियों की ली समीक्षा बैठक

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने मंगलवार को जिला कार्यालय सभाकक्ष में निर्माण एजेंसियों द्वारा प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने सभी निर्माण विभागों के अधिकारियों से विभागवार उनके द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के साथ उन्हें निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विभागवार कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को विभागीय कार्यों के प्रगति की जानकारी निरन्तर गूगल सीट में अपडेट करने के साथ सभी लंबित कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग, गृह निर्माण मंडल, छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, आदिम कल्याण विभाग एवं नगरीय निकायों के लंबित कार्यों का विवेचन करते हुए उनके कार्यों में प्रगति लाने तथा जल्द से जल्द कार्यों को पूर्ण करने को कहा।

जिले में 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयुष्मान व्यय वंदन योजना का शुभारंभ

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। जिला कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशानुसार आयुष्मान व्यय वंदन योजना के तहत 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए जिला अस्पताल द्वारा स्वास्थ्य कार्ड बनाने का विशेष अभियान शुरू किया है। 20 नवंबर 2024 को जिला अस्पताल में इस योजना के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। जिला अस्पताल के साथ-साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी यह सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है, जिससे उनके परिवार पर आर्थिक बोझ कम हो सके। इस योजना के तहत पात्र नागरिक अपने क्षेत्र के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से संपर्क कर आसानी से कार्ड बनवा सकते हैं। जिला प्रशासन ने वरिष्ठ नागरिकों को इस योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की है। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने कहा कि यह पहल वरिष्ठ नागरिकों के लिए सम्मान और सेवा का प्रतीक है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं सिविल सर्जन ने भी लोगों से अपील की कि वे इस योजना की जानकारी अपने परिचितों तक पहुंचाएं और पात्र नागरिकों को इसका लाभ दिलाएं।

विश्व सीओपीडी दिवस पर विशेष लेख

मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में (सीओपीडी) जागरूकता की क्रांतिकारी पहल: महेन्द्र सिंह मरपच्ची

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। विश्व सीओपीडी दिवस की शुरुआत 2002 में ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव लंग डिजीज दत्तह्लष्ठ्ठ द्वारा की गई थी। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य सीओपीडी (क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज) के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इसके रोकथाम, प्रबंधन तथा इलाज को बढ़ावा देना है। यह दिवस हर साल नवंबर के तीसरे बुधवार को मनाया जाता है, और इसका उद्देश्य सरकारों, स्वास्थ्य संगठनों और आम जनता के बीच संवाद स्थापित करना है, ताकि इस बीमारी से होने वाली मृत्यु और पीड़ा को कम किया जा सके। इस दिन विशेष रूप से श्वसन स्वास्थ्य और वायु प्रदूषण जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जो सीओपीडी के मुख्य कारण हैं।

छत्तीसगढ़, जो अपनी प्राकृतिक संपदा और सांस्कृतिक धरोहर के लिए प्रसिद्ध है, अब स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी एक नई पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। छत्तीसगढ़ में सीओपीडी एक

गंभीर स्वास्थ्य समस्या बनी हुई है, जो मुख्य रूप से वायु प्रदूषण, तंबाकू सेवन और परंपरागत चूल्हों के धुएं से उत्पन्न होती है। खासकर राज्य के ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में यह समस्या ज्यादा देखी जाती है। एमसीबी जिला जो कोयला खनन और औद्योगिक गतिविधियों के लिए जाना जाता है, प्रदूषण और सांस संबंधी बीमारियों का केंद्र बन चुका है। इन समस्याओं के समाधान के लिए राज्य सरकार ने एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया है।

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। यहां सीओपीडी और अन्य श्वसन संबंधित रोगों के इलाज के लिए आधुनिक चिकित्सा केंद्र स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही दूरदराज के क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए मोबाइल हेल्थ वैन चलाई जा रही हैं, जो प्राथमिक चिकित्सा और स्क्रीनिंग सेवाएं उपलब्ध कराती हैं। राज्य सरकार ने कोयला खनन और औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए नई तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की अग्रणी भूमिका

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र में अभूतपूर्व सुधार किए हैं। उनके प्रयासों से राज्य के दूरदराज क्षेत्रों में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं। उन्होंने विशेष रूप से सीओपीडी और सांस संबंधी बीमारियों पर ध्यान केंद्रित किया है, जिसके परिणामस्वरूप जिलों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती, अस्पतालों में उपकरणों का उन्नयन और चिकित्सा कर्मियों का प्रशिक्षण सुनिश्चित किया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का क्रांतिकारी नेतृत्व

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए छत्तीसगढ़ के विकास में स्वास्थ्य को केंद्रीय भूमिका दी है। उनके नेतृत्व में आयुष्मान भारत योजना का सफल क्रियान्वयन हुआ, जिससे लाखों परिवारों को स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिला। इसके अलावा राज्य सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए पर्यावरण-अनुकूल नीतियों को लागू किया और एलपीजी कनेक्शन वितरण के जरिए ग्रामीण महिलाओं और बच्चों को प्रदूषण से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाया है।

छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नई क्रांति

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव देखा है। विशेष रूप से मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में सीओपीडी की रोकथाम और स्वास्थ्यकर आदतों को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रयास न केवल राज्य के लिए, बल्कि देशभर के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुके हैं।

11 हाथियों का दल धान की फसल को पहुंचा रहा नुकसान, वन विभाग सतर्क

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। जिले के बैकुंठपुर रेंज के सलबा बीट में 11 हाथियों का दल देखा गया है। यह दल बकिरा बहरा क्षेत्र में किसानों की धान की फसल को नुकसान पहुंचाने के बाद बीट सलबा के कक्ष क्रमांक 481 कंदा बारी में विश्राम कर रहा है। वन विभाग की टीम प्रभावित क्षेत्रों में सतर्कता बनाए हुए है और ग्रामीणों को सुरक्षित रहने की सलाह दी गई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक किसी प्रकार की जन या पशु हानि नहीं हुई है। हालांकि, प्रभावित क्षेत्र बकिरा में फसल क्षति का आकलन किया जा रहा है। ग्रामीणों को जंगल न जाने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की समझाइश वन विभाग द्वारा दी गई है। हाथियों के संभावित विचरण मार्ग, जैसे सलका, करील धोवा, भंडार पारा और विशुनपुर में मुनादी कराई गई है। खड़गवां, चिरमिरी और बैकुंठपुर के वन विभाग के कर्मचारी लगातार निगरानी कर रहे हैं। वन विभाग ने अनुमान लगाया है कि हाथी दल विशुनपुर होते हुए नगर की ओर बढ़ सकता है। संभावित खतरे को देखते हुए सभी संबंधित गांवों में अलर्ट जारी किया गया है। वन विभाग ने अपील करते हुए कहा है कि ग्रामीण सतर्क रहें और हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। किसी भी अप्रिय घटना की सूचना तुरंत वन विभाग को दें। प्रभावित किसानों के फसल नुकसान का आकलन पूरा कर जल्द ही उचित कार्रवाई की जाएगी।

मानसिक रूप से अस्वस्थ्य किशोरी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। मानसिक रूप से अस्वस्थ्य एक किशोरी ने घर के दरवाजे के पास अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। जयनगर पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत जयनगर के चट्टीडांड निवासी ड्राइवर हरक लाल पनिका की 17 वर्षीय पुत्री कुमारी रेनू पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से अस्वस्थ्य चल रही थी। किशोरी ने कक्षा दसवीं की पढ़ाई को भी अधूरा ही छोड़कर घर पर रहती थी। बीती रात किशोरी ने अज्ञात कारणों से अपने कमरे के दरवाजे के पास ही अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर पुलिस ने शव पंचनामा पीएम उपरांत शव परिजन के सुपुर्द कर मामले में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

अधिकार अभिलेख में कूटरचना कर जमीन क्रय-विक्रय किये जाने का प्रयास

★ 10 व्यक्तियों पर एफआईआर करने के निर्देश ★ शिक्षा विभाग का सहायक ग्रेड-03 निलंबित ★ भूमि के क्रय-विक्रय के लिए आवश्यक दस्तावेजों हेतु सीधे राजस्व अधिकारियों से करें संपर्क

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। ग्राम मदनेश्वरपुर, तहसील राजपुर के खसरा नंबर 544/22 एवं 550/1 रकबा क्रमश: 5.93 हेक्टेयर एवं 1.33 हेक्टेयर के अधिकार अभिलेख 1954-55 नकल में छेड़छाड़ एवं कूटरचना कर फर्जी दस्तावेज तैयार कर उक्त भूमि को क्रय-विक्रय किये जाने का प्रयास किया गया है।

उक्त राजस्व अभिलेख में कूटरचना के लिए जिला स्तर की जांच दल के द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन के अनुसार कुल 11 व्यक्तियों की संलिप्तता पायी गई है, जिसमें 10 व्यक्तियों पर प्राथमिकी दर्ज कराये जाने हेतु अनुविभागीय अधिकारी (रा.) राजपुर को निर्देशित किया गया है। उक्त कृत्य के लिए तत्कालीन कलेक्टर के द्वारा श्री विजय बहादुर, सहायक ग्रेड-03 कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी बलरामपुर (संलग्न जिला अभिलेखागार) को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुये निलंबित कर्मचारी के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही हेतु जिला शिक्षा अधिकारी निर्देश दिए गए, साथ ही इस कार्य मे संलिप्त नगर सेना के कर्मचारी श्रीमती तेरेसा लकड़ा, नगर सैनिक, नगर सेनानी बलरामपुर को निलंबन एवं अनुशासनात्मक कार्यवाही हेतु नगर सेनानी बलरामपुर तथा तत्कालीन उप पंजीयक, बलरामपुर के लिए संबंधित विभाग प्रमुख को अनुशासनात्मक कार्यवाही निर्देशित किया गया है।

उक्त कूटरचित दस्तावेज तैयार किये जाने में संलिप्त कर्मचारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए गए है, जिसमें श्री सुनील मिंज मिंज, श्री सौरभ सिंह, श्री राजेश सिंह, श्री बसील खलखो, श्री रमेश ठाकुर, श्री रामरूप यादव, श्री सुरेशचंद्र मिश्र(गढ़वा, झारखण्ड), श्री जयप्रकाश श्रीवास्तव, श्रीमती तेरेसा लकड़ा श्री विजय बहादुर सिंह, श्री अनुराग वैश्य, तत्कालीन उप पंजीयक, बलरामपुर हैं। इस संबंध में जिला प्रशासन द्वारा जिले के समस्त भूमि स्वामियों से अपील किया गया है कि वे भूमि से संबंधित दस्तावेजों के लिए किसी के बहकावे में न आयें तथा राजस्व अभिलेखों में किसी प्रकार की छेड़छाड़ एवं भू-माफियाओं अथवा किसी से भी कूटररचित अथवा फर्जी दस्तावेज प्राप्त करने से बचें।

भूमि के क्रय-विक्रय के लिए आवश्यक दस्तावेजों हेतु सीधे राजस्व अधिकारियों से संपर्क करें।

पीआरपी द्वारा किए गए फर्जीवाड़ा मामले में तीन सदस्यीय जांच टीम गठित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत तेजस्वी महिला कलस्टर संगठन लटोरी की पीआरपी द्वारा कथित रूप से फर्जी हस्ताक्षर कर राशि आहरित किए जाने के मामले में जिला पंचायत सीईओ द्वारा तीन सदस्यीय जांच टीम गठित कर दी गई है। जांच रिपोर्ट को सप्ताह भर में जमा किए जाने के भी निर्देश दिए गए हैं। फर्जी तरीके से राशि आहरित किए जाने के आरोप के बाद भी पुन: नियुक्ति की मांग का महिला समूह की सदस्यों द्वारा पुरजोर विरोध किया जा रहा है। गौरतलब है कि पिछले दिनों कलेक्टर व जिला सीईओ को दिए ज्ञापन में उल्लेख किया गया था कि छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत तेजस्वी महिला कलस्टर संगठन लटोरी की पीआरपी उषा यादव द्वारा कथित रूप से तेजस्वी महिला कलस्टर संगठन लटोरी के अध्यक्ष पूजा राजवाड़े व कोषाध्यक्ष जरीना सुल्ताना का फर्जी हस्ताक्षर कर चेक क्रमांक 583711 पर 636348 रुपए आहरित कर लिया गया है। उक्त फर्जीवाड़े की जानकारी बैंक स्टेटमेंट का ऑडिट कराए जाने के बाद हुई थी। साथ ही पीआरपी उषा यादव पर महिला सदस्यों ने यह भी आरोप लगाया है कि पद का दुरुपयोग करते हुए पीआरपी द्वारा कलस्टर की अधिकांश महिला सदस्यों को गुमराह करके सपोर्ट इंडिया नाम की एक निजी कंपनी से जोड़कर करोड़ों रुपए जमा कराकर फर्जीवाड़ा किया गया है।

महिला सदस्यों का आरोप यह भी था कि पीआरपी उषा यादव द्वारा अपने पद का दुरुपयोग कर महिलाओं को मोटी रकम दिलाने का झांसा देकर ऐसा कृत्य कराया गया है। कथित फर्जीवाड़े को लेकर आज छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन द्वारा 20 नवंबर को पीआरपी द्वारा फर्जी हस्ताक्षर कर चेक से निकाला गया छह लाख रुपए नामक शीर्षक की खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। मामले में सुरजपुर जिला पंचायत सीईओ द्वारा जांच टीम गठित कर दी गई है। जांच टीम में सुरजपुर जनपद सीईओ विनोद सिंह, जिला पंचायत के प्रभारी जिला मिशन प्रबंधक मनीष सिन्हा व जनपद पंचायत सुरजपुर की विकासखण्ड परियोजना प्रबंधक श्रीमती माधुरी पाण्डेय को शामिल किया गया है। जांच टीम को सप्ताह भर में जांच रिपोर्ट को जिला पंचायत कार्यालय में जमा किए जाने का निर्देश दिया गया है। ज्ञात हो कि तेजस्वी महिला कलस्टर संगठन लटोरी अंतर्गत 28 पंचायत के 780 महिला समूहों का संचालन किया जा रहा है।

कालरी कर्मी ने जहर सेवन करके दी अपनी जान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर के फिल्टर प्लांट में कार्यरत कॉलरी कर्मी ग्राम पंचायत कुंजनगर निवासी एक युवक ने अज्ञात कारणों से कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया था। कालरी कर्मी की उपचार के दौरान अंबिकापुर के एक निजी अस्पताल में मौत हो गई है। गौरतलब है कि ग्राम पंचायत कुंजनगर निवासी 40 वर्षीय दीपक राजवाड़े पिता स्व.जानकी राजवाड़े एसईसीएल बिश्रामपुर के फिल्टर प्लांट में कार्यरत है। कालरी कर्मी दीपक राजवाड़े ने सोमवार को अज्ञात कारणों से कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया था। जिसे आनन फानन में परिजन द्वारा उपचार हेतु केंद्रीय चिकित्सालय बिश्रामपुर ले जाया गया था, जहां से चिकित्सकों द्वारा उसे अंबिकापुर के एक निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया था। उपचार के दौरान मंगलवार को कालरी कर्मी की मौत हो गई है।

डीएसपी, सीएसपी समेत चार लोगों के घर के बाहर किया नोटिस चस्पा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल क्वार्टर में अवैध रूप से काबिज जिले के पुलिस अधिकारियों को एसईसीएल प्रबंधन ने नोटिस जारी कर अवैध कब्जा खाली करने कहा है।

क्षेत्रीय सुरक्षा विभाग के कर्मचारियों ने आज एसईसीएल बिश्रामपुर के टूए कॉलोनी के क्वार्टर नंबर 7 में रहने वाली उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सूरजपुर महालक्ष्मी कुलदीप, टूए कालोनी क्वार्टर नंबर 8 में काबिज नगर पुलिस अधीक्षक एसएस पैकरा, जिले के पूर्व पुलिस अधिकारी के टूए कालोनी क्वार्टर नंबर 34 और 37 में काबिज पुलिस अधिकारियों को नोटिस जारी कर कब्जा खाली कर आवास को प्रबंधन को सौंपने को कहा गया है। पुलिस अधिकारियों को जारी नोटिस में प्रबंधन ने उल्लेख किया है कि आपके द्वारा एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र के स्वामित्व आधिपत्य की निर्मित आवास को कब्जा कर रखा गया है, जिससे आपको सलाह दिया जाता है कि उक्त अवैध कब्जे रखे गए आवास को तत्काल खाली कर प्रबंधन को रिक्त हालत में सुपुर्द कर दें। उपरोक्त कार्यवाही की जानकारी से अंकेक्षण समिति एवं न्यायालय को अवगत कराया जाना है। ज्ञात हो कि पखवाड़े भर पूर्व भी प्रबंधन ने ऐसे ही दर्जन भर कंपनी के सेवानिवृत्त अधिकारियों कर्मचारियों को जो अवैध रूप से सेवानिवृत्ति के बाद भी क्वार्टर में कब्जा कर रखे थे, उन्हें भी नोटिस जारी कर क्वार्टर खाली करने के निर्देश दिए गए थे।

खलिहान में रखे पैरा व धान में अज्ञात कारणों से लगी आग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। खलिहान में रखे पैरा व धान आज दोपहर आगजनी में जलकर खाक हो गए हैं। फायर ब्रिगेड के पहुंचने तक किसान का काफी नुकसान हो चुका था। गौरतलब है कि ग्राम पंचायत सतपता चिटकीपारा निवासी भोला सिंह के खलिहान में रखे हुए पूरा व धान में बुधवार की दोपहर अचानक आग लग गई। आग लगने उपरांत यहां पर अफरा तफरी की स्थिति निर्मित हो गई थी। सूचना मिलते ही बिश्रामपुर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच नगर सेना के फायर ब्रिगेड सुरजपुर को तत्काल सूचना देकर बुलवाया गया। हालांकि फायर ब्रिगेड के आने तक पैरा व धान जलकर खाक हो गए थे। घंटेभर की मशक्कत उपरांत आग पर काबू पाया जा सका। आगजनी की घटना शॉर्ट सर्किट से लगने या शरारती तत्वों द्वारा आग लगाए जाने की बात कही जा रही है। हालांकि फिलहाल स्थिति देर शाम तक स्पष्ट नहीं हो सकी है।

भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। बलरामपुर जिला मुख्यालय के मिशन चौक से मिशन रोड की ओर भारी वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। अनुविभागीय अधिकारी बलरामपुर ने जानकारी दी है कि यह प्रतिबंध आमजनों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लगाया गया है, जो प्रात: 07: 00 बजे से रात्रि 09: 00 बजे तक लागू होगा।

यह प्रतिबंध स्थानीय लोगों की सुरक्षा और सुविधा के लिए लगाया गया है, ताकि भारी वाहनों के कारण होने वाली परेशानियों से बचा जा सके। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

बस्तामुक्त विद्यालय रुनियाडीह में बच्चों को दिए गए स्वेटर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रथम बस्तामुक्त विद्यालय शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह में स्वेटर वितरण कार्यक्रम सुरजपुर बीईओ भानुप्रताप चंद्राकर के मुख्य आतिथ्य में आयोजित की गई।विशिष्ट अतिथि के रूप में जयराम प्रसाद सूरजपुर विकासखंड परियोजना अधिकारी उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम, विजेंद्रलाल जायसवाल समन्वयक संकुल केंद्र रामनगर, श्रीमती कैलाशो उपाध्यक्ष शाला प्रबंधन एवं विकास समिति रुनियाडीह रहे। संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी ने बताया कि बिश्रामपुर के समाजसेवी गुरमीत सिंह बग्गा के सौजन्य से 28 नग डार्क ब्लू स्वेटर प्राप्त कर विद्यालय का मोनो लगाकर बच्चों को प्रदान की गई। ऐसा करने से बच्चों के मन से प्राइवेट स्कूल में पढ़ ना पाने का मलाल को दूर किया जाता है। क्षेत्र में पड़ रहे तेज ठंड से बचने, बच्चों को सर्दी जुकाम से बचाने ताकि वे विद्यालय रोज आ सकें, इसीलिए स्वेटर वितरण किया गया।

अतिथियों का स्वागत संस्था के बाल कैबिनेट प्रधानमंत्री अजय विश्वकर्मा व उप प्रधानमंत्री देव सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सांस्कृतिक मंत्री रजवंती राजवाड़े तथा निकिता विश्वकर्मा के सहयोग से किया गया। बीईओ भानुप्रताप चंद्राकर द्वारा अपने उद्बोधन में समाज के सहयोग से प्राप्त स्वेटर का वितरण प्राइवेट स्कूल के तर्ज पर मोनो लगाकर करने को सराहनीय बताते हुए इसे अन्य विद्यालयों हेतु अनुकरनीय बताया। साथ ही उपस्थित बच्चों को ठंड से बचने के लिए इसे प्रतिदिन पहनकर विद्यालय में आने एवं मन लगाकर पढ़ने हेतु प्रेरित किया गया। जयराम प्रसाद द्वारा अपने उद्बोधन में उपस्थित बच्चों को घर तथा समाज के असाक्षर जिनकी उम्र 15 वर्ष से 100 साल के बीच है, को अक्षर ज्ञान एवं गणितीय कौशल को बताते हुए बुनियादी जरूरत को पूरा करने में सहयोग करने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के शिक्षक रिजवान अंसारी, पूनम गुप्ता समेत सुमित्रा राजवाड़े, नान दईया तथा बाल कैबिनेट के मंत्री रिंकी राजवाड़े, सुनीता, कलावती, चित्रकुमारी, दीपक राजवाड़े, योगेश सिंह, रुपा, शिवम विश्वकर्मा व टिकेश्वरी राजवाड़े सक्रिय रहे।

दर्जन भर धान खरीदी केंद्र प्रभारी की हुई नवीन पदस्थापना

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी केंद्रों में दर्जनभर कर्मचारियों का तबादला आदेश जारी कर नए दायित्व सौंपे गए हैं। गौरतलब है कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य शासन के मंशानुरूप 14 नवंबर से शुरू कर दिया गया है।

धान खरीदी कार्य में पारदर्शिता लाने व नियमानुसार कार्य को संपन्न कराए जाने हेतु सुरजपुर जिले के सहायक आयुक्त सहकारिता द्वारा 19 नवंबर को एक आदेश जारी करके जयनगर समिति में कमल सिंह को धान खरीदी प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसी तरह प्रकाश राम जयनगर से केशवनगर, सुनील राजवाड़े को मानी से महंगई समेत दर्जनभर लोगों को नए स्थान पर पदस्थ करके धान खरीदी प्रभारी नियुक्त किया गया है।

नायब तहसीलदार के साथ हुए अभद्रता को लेकर कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

अंबिकापुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। नायब तहसीलदार सह कार्यपालिक दंडाधिकारी के साथ थाना प्रभारी द्वारा किये गए अभद्रता से नाराज छग कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।सौंपे गए ज्ञापन में उन्होंने घटना की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी स्तर के अधिकारी से जांच कराने की मांग की है। उक्त मामला न्यायधानी बिलासपुर की है।जहाँ बस्तर जिले के करपावंड़ में पदस्थ नायब तहसीलदार पुष्पराज मिश्रा के साथ पुलिस द्वारा अभद्रता की गई है।उनके साथ सरकंडा थाना प्रभारी तोपसिंग नवरंग एवं उनके अधीनस्थ पुलिसकर्मियों द्वारा अमर्यादित व्यवहार किया गया है।थाना परिसर में नायब तहसीलदार के साथ गाली गलौज मानसिक उत्पीड़न झूठे केस में फंसाने की धमकी एवं उनके परिजनों के साथ दुर्व्यवहार किया गया है।जिससे छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ काफी नाराज है।उन्होंने इस संबंध में चार सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है।जिसमे उन्होंने इस मामले की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी स्तर के वरिष्ठ अधिकारी से कराई जाए।दोषी थाना प्रभारी एवं उनके अधीनस्थ पुलिसकर्मियों के विरुद्ध सख्त प्रशासनिक कार्यवाही की जाए।इसके अलावा इस घटना के संबंध में समयबद्ध कार्रवाई समेत ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी के बीच बेहतर समन्वय एवं प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाए।ज्ञापन सौंपने के दौरान छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ अंबिकापुर एवं सीतापुर के पदाधिकारी एवं नायब तहसीलदार उपस्थित थे।

अंतत: विवादित खंड चिकित्सा अधिकारी को हटाया गया

जारी आदेश के बाद स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ में हर्ष

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

रामानुजगंज। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के विवादित खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ.हेमंत दीक्षित को हटाते हुए।

डॉ.महेश प्रसाद गुप्ता कि पोस्टिंग की गई है। उक्त आदेश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बलरामपुर के द्वारा ज़ारी कि गई हैं आदेश जारी होते ही पूरे विभाग के कर्मचारियों में हर्ष का माहौल व्याप्त है। गौर तलब है कि 100 बिस्तरीय अस्पताल रामानुजगंज में 13 नवम्बर 2024 को स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ ब्लॉक इकाई रामानुजगंज के समस्त कर्मचारियों एवं अधिकारियों के द्वारा खंड चिकित्सा अधिकारी रामानुजगंज को हटाने के लिए अनिश्चित कालिन आंदोलन हड़ताल किया गया था जिसमें मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा सात दिवस के भीतर कार्यवाही करने के ठोस आसवन के पश्चात हड़ताल स्थगित किया गया था और इसी तारतम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला बलरामपुर रामानुजगंज कार्यालय से डॉ. महेश प्रसाद गुप्ता को खंड चिकित्सा अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके बाद से सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों में हर्ष का माहौल व्याप्त है। इससे पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कैलाश केतर्व खंड चिकित्सा अधिकारी के पद पर पदस्थ थे और उनके कार्यकाल में कोई भी वाद विवाद आज तक नहीं हुआ था उनके ट्रांसफर पश्चात जब से डॉ.हेमंत दीक्षित खंड चिकित्सा अधिकारी के पद पर पदस्थ हुए तब से कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार सहित कई मामले सामने आने के बाद मजबूर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इनके खिलाफ अनिश्चितकाल मोर्चा खोल दिया था अंतत: कर्मचारियों की जीत हुई और विवादित डॉक्टर को हटाया गया। स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष हेमंत कुमार महंत ने कहा कि अब सभी कर्मचारी निर्विवाद रूप से एवं शांतिपूर्ण माहौल में कार्य कर सकेंगे।

रामानुजगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का मामला

महिला ने फर्जी शिकायत करने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध की कलेक्टर से कार्यवाई की मांग

संवाददाता रामानुजगंज

खण्ड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामानुजगंज को पद से हटाने के लिए चारित्रिक हनन सम्बन्धी निराधार आरोप कर्मचारी नेता सुनील गुप्ता स्वास्थ्य कार्य कर्ता रामचन्द्रपुर जो की आरएचओ संघ का ब्लॉक अध्यक्ष है,अन्य कर्मचारियों के साथ मिलकर जबरदस्त साजिश करते हुए आरोप लगाया है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ हेमंत दीक्षित के सख्त एवं साफ छबि से ऐसे अधिकारी/कर्मचारी परेशान हैं जो शासन द्वारा निर्धारित दायित्वों के निर्वहन में कोताही बरतते हैं तथा स्वेच्छाचारी हैं। कर्मचारियों के ऐसे ही एक वर्ग द्वारा खण्ड चिकित्सा अधिकारी को पद से हटाने के लिए तरह तरह के हथकंडे अपनाये जा रहे हैं। इसी कड़ी में संघ के लेटर पैड का उपयोग करते हुए विभिन्न स्थानों पर पत्र प्रेषित कर खण्ड चिकित्सा अधिकारी को हटाने की माँग की गई है माँग न माने जाने पर आंदोलन की धमकी दी गई है संबंधित के माध्यम से बीएमओ पर चारित्रिक आरोप लगाया गया है । जिस महिला के नाम से आरोप लगाया गया है वह महिला आज स्वयं कलेक्टर के कार्यालय में उपस्थित हुई तथा इस आशय का ज्ञापन सौपा की सुनील गुप्ता एवं विवेकानंद गुप्ता स्वास्थ्य कार्यकर्ता रात में मेरे घर आये थे तथा बीएमओ पर झूठा आरोप लगाने के लिए दबाव बना रहे थे एवं तरह तरह का लालच भी दे रहे थे। जब मेरे द्वारा बोला गया की मैं झूठा आरोप नहीं लगा सकती तो ये लोग मुझे घूरने लगे तथा धमकी देने लगे। इस बात से मैं बहुत डरी हुई हूँ तथा मानसिक रूप से परेशान हूँ।

महिला के द्वारा बताया गया है कि एक वर्ष पूर्व भी किसी ने साजिस करते हुए मेरे फर्जी हस्ताक्षर करके एक शिकायत पत्र कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया गया था जिसमे इसी प्रकार का आरोप लगाया गया था। बाद में जाँच समिति के द्वारा मुझे बुलाये जाने पर मुझे ज्ञात हुआ और मेरे द्वारा इसका खंडन किया गया था। यह सारी साजिस एक मात्र खंड चिकित्सा अधिकारी को हटाने के लिए की जा रही है । कलेक्टर बलरामपुर से उक्त महिला ने सुनील गुप्ता स्वास्थ्य कार्य कर्ता रामचन्द्रपुर एवं विवेकानंद गुप्ता स्वास्थ्य कार्य कर्ता पुरानडीह के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की माँग की है जिससे संबंधित को न्याय मिल सके और और लोगो के लिए मिशाल बन सके ताकि भविष्य में कोई किसी गरीब आदिवासी महिला का अपने स्वार्थ के लिए बेजा इस्तेमाल न कर सके।

स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ का यह था आरोप

100 बिस्तरीय अस्पताल रामानुजगंज में प्रभारी खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ.हेमंत दीक्षित के द्वारा कर्मचारियों एवं अधिकारियों को मानसिक एवं आर्थिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था जैसे कि जबरन आकस्मिक अवकाश काटना,वेतन काटना, अनुबंध डॉक्टर का सेवा अवधि बढ़ाना,बिना कारण कर्मचारियों को संलग्नीकरण करना,कर्मचारियों का सी आर खराब करने की धमकी देना एवं कर्मचारियों के साथ बतमीजी से बात करने जैसी कई समस्याओं को लेकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के पास कई बार गुहार लगाने के बाद भी किसी प्रकार का न्याय नहीं मिलने से कर्मचारी एवं अधिकारी परेशान होकर 13 नवंबर 20 24 को स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ ब्लॉक इकाई रामानुजगंज के समस्त कर्मचारियों अधिकारियों द्वारा खंड चिकित्सा अधिकारी रामानुजगंज को हटाने के लिए अनिश्चित कालिन आंदोलन हड़ताल किया गया था।

जयनगर सहकारी समिति के देवधन मनोनीत किए गए प्राधिकृत अधिकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। करीब ग्यारह महीने बाद जयनगर सहकारी समिति में प्राधिकृत अधिकारी देवधन राम बिंझिया को नियुक्त किया गया है।

गौरतलब है कि सहकारी समिति जयनगर में पूर्व कांग्रेस शासनकाल में जुगेंद्र सिंह को संचालक मंडल का प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त किया गया था। इसके पश्चात प्रदेश में सत्ता परिवर्तन उपरांत उक्त संचालक मंडल को 15 दिसंबर 2023 को विष्णुदेव सरकार द्वारा भंग कर दिया गया था। उसी समय से जयनगर में संचालक मंडल का प्राधिकृत अधिकारी का कार्य प्रभारी के भरोसे संचालित किया जा रहा था। इसके बाद अब गत दिनों सहकारी संस्थाएं सुरजपुर के सहायक पंजीयक बीआर पैकरा द्वारा जयनगर सहकारी समिति के संचालक मंडल का प्राधिकृत अधिकारी देवधन राम बिंझिया को मनोनीत किया गया है।

कलेक्टर श्री भोसकर की संवेदनशील पहल पर जिले में होंगे रक्तदान शिविर

पहला शिविर 21 नवम्बर को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित नवीन कम्पोजिट भवन में

जनकल्याण की दिशा में अपना योगदान देने कलेक्टर ने की रक्तदान की अपील

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर / कलेक्टर श्री विलास भोस्कर द्वारा गत मंगलवार को आयोजित समयसीमा की बैठक में जिले में रक्तदान शिविर किए जाने के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने पत्र जारी कर कहा है कि राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबंद्ध चिकित्सालय, अम्बिकापुर में सम्पूर्ण सरगुजा संभाग के अन्तर्गत गंभीर स्थिति अथवा विभिन्न रोगों से पीड़ित मरीज आते हैं जिन्हें जीवन रक्षक के रूप में ब्लड सेन्टर से ही निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया जाता है। ब्लड सेन्टर में आवश्यक रक्त की उपलब्धता बनी रहे, इसके लिए जिले में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाना जरूरी है। कलेक्टर श्री भोस्कर की संवेदनशील पहल पर रक्तदान शिविर आयोजित किए जाने के रोस्टर के अनुसार 21 नवम्बर 2024 को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित नवीन कम्पोजिट भवन (एनेक्स बिल्डिंग) में पहला रक्तदान शिविर आयोजित किया जायेगा। इसी तरह 23 नवम्बर को नगर सेना अम्बिकापुर, 26 नवम्बर को विकासखण्ड बतौली, 27 नवम्बर को विकासखण्ड अम्बिकापुर, 28 नवम्बर को विकासखण्ड मैनपाट, 02 दिसम्बर को पी.जी. कॉलेज अम्बिकापुर, 04 दिसम्बर को कार्यालय नगर निगम अम्बिकापुर, 06 दिसम्बर को विकासखण्ड लुण्ड्रा, 07 दिसम्बर को श्री सांई बाबा आदर्श महाविद्यालय, 09 दिसम्बर को जनपद पंचायत उदयपुर, 12 दिसम्बर को हॉली क्रास महाविद्यालय, और मंजूषा एकेडमी अम्बिकापुर, 13 दिसम्बर को लाईवलीहुड कॉलेज अम्बिकापुर में शिविर आयोजित किया जायेगा। इसी तरह 05 जनवरी 2025 को सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय अम्बिकापुर एवं 12 जनवरी 2025 को पॉलीटेक्निक कॉलेज अम्बिकापुर में शिविर आयोजित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर श्री भोसकर ने संबंधित अधिकारियों को उक्त तिथियों पर शिविर अनुसार अपने अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारी, छात्र, स्वेच्छिक रक्तदाता समूह के व्यक्तियों को उनकी स्वेच्छा से रक्त दान कराने हेतु निर्देशित किया है जिससे आदिवासी बहुल जनमानस को आपतकाल में रक्त की आपूर्ति चिकित्सालय के माध्यम से की जा सके।

किसान धान खरीदी केन्द्रों में माइक्रो एटीएम से निकाल सकेंगे 10 हजार रूपए तक की राशि

अम्बिकापुर/ छत्तीसगढ़ में 14 नवंबर से धान खरीदी का कार्य जारी है। धान बेचने पहुंचे किसान अब धान खरीदी केंद्रों के माइक्रो एटीएम से दो हजार रूपए से लेकर दस हजार रूपए तक की राशि निकाल सकते हैं। संवेदनशील मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल पर प्रदेश के किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 10 हजार रूपए तक की राशि माइक्रो एटीएम से तुरन्त प्रदान किए जाने की सुविधा प्रदान की गई है। माइक्रो एटीएम से तत्काल धनराशि प्राप्त होने की सुविधा मिलने से किसान को अब धान उपार्जन केंद्र तक धान परिवहन अथवा किराए पर लिए गए ट्रैक्टर आदि का भाड़ा के लिए न ही किसी से राशि उधार लेने की जरूरत पड़ेगी और न ही बैंक का चक्कर लगाना होगा।

क्या सरगुजा अंचल को विकास से दूर रखने की साजिश हो रही है ?

उन्नत सरगुजा, उज्वल हसदेव तब होगा जब सरगुजा में उद्योग होगा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर/ लगभग डेढ़ दशक पहले तक पूरे सरगुजा क्षेत्र को ऐसा टापू समझा जाता था जहाँ यदि किसी अधिकारी कर्मचारी को ट्रांसफर में भेजा जाता तो उसे सजा के रूप में देखा जाता था। न रोड की हालत अच्छी, न ट्रेन की कनेक्टिविटी, न बेहतर शिक्षा, न बेहतर स्वास्थ्य सुविधा। गंभीर दुर्घटनाओं या बीमारियों में तो रायपुर या बिलासपुर के बड़े अस्पतालों तक सुरक्षित पहुंच पाना ही एक समय चुनौती थी। सरगुजा के सुंदर सुरम्य वातावरण में रहकर भी लोग आधारभूत विकास को तरस रहे थे। कहने का आशय है कि जगह कितनी भी खूबसूरत हो, वातावरण कितना भी शुद्ध हो वहां इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के साथ सुव्यवस्थित मार्केट का होना अत्यंत आवश्यक है। बिजली, पानी, सड़क तथा बेहतर स्वास्थ्य एवं बेहतर शिक्षा के साथ साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी जरूरी है। सरगुजा क्षेत्र के विकास के लिए यहां बड़े उद्योग लगें इसकी मांग लंबे समय से की जाती रही है पर कुछ विकास विरोधी एजेंडे चलाने वाले तत्वों के कारण सरगुजा को विकास के नाम पर हमेशा से छलने का काम किया गया। सूत्र बताते हैं कि दशकों पहले सरगुजा में लगने वाला बाल्को एल्युमीनियम प्लांट विकास विरोधी एजेंडे के कारण कोरबा शिफ्ट कर दिया गया। इफको पावर प्लांट का सरगुजा में लगने से पहले ही इतना विरोध किया गया कि इफको कंपनी ने पूरे छत्तीसगढ़ को ही उद्योग के लिए बेकार बताकर छोड़ दिया। चिरगा तथा परसा में चल रहे एल्युमीनियम तथा कोल उद्योगों को भी ये अराजक तत्व लगातार अपना निशाना बना रहे हैं। आश्चर्य की बात है कि यह सब सरगुजा की आदिवासी संस्कृति को बचाने के नाम पर किया जा रहा है। क्या आदिवासी भाई बहनों को सिर्फ इसलिए जंगल में रखा जाए ताकि उनकी संस्कृति व परंपराओं की रक्षा हो सके ? यह तर्क गले नहीं उतरता। भारत के संविधान ने जब सुदूर गांव जंगलों में रहने वाले आदिवासियों को अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए उतने ही अधिकार दिए हैं जितना शहर के निवासियों को फिर क्यूँ कुछ लोग आदिवासी वर्ग को विकास की मुख्य धारा से दूर रखना चाहते हैं ? क्या सरगुजा अंचल को विकास से दूर रखने की साजिश हो रही है ? यदि इतिहास पर नजर डालें तो दुर्भाग्य से अब तक यही होता आया है। वास्तव में उन्नत सरगुजा, उज्ज्वल हसदेव तब होगा जब सरगुजा में उद्योग होगा। अगर हम चाहते हैं कि सरगुजा आगे बढ़े और समृद्ध हो तो हमारे प्रदेश मे रोजगार सृजन अनिवार्य है। इसके लिए हमें पारंपरिक कृषि और व्यापारिक गतिविधियों से परे सोचना होगा। हमें कुछ ऐसे उद्योगों की जरूरत है जो महत्वपूर्ण निवेश लाएँ ताकि मध्यम और लघु उद्योग इकाइयों को बढ़ने के लिए सहारा मिले ताकि स्थानीय रोजगार के विकास को जोर मिले। हमें सुनिश्चित करना होगा कि मौजूदा और भविष्य की औद्योगिक गतिविधियों को बिना किसी बाधा और शांति से संचालित होने दिया जाएगा, तभी उन्नत सरगुजा एवं उज्जवल हसदेव का निर्माण हो सकेगा। पिछले कुछ वर्षों में हमने देखा है कि राजधानी रायपुर में स्थित कुछ तत्व एनजीओ मंच का दुरुपयोग कर रहे हैं और सरगुजा के विकास का राजनीतिकरण कर रहे हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हम सरगुजा को उन्नत बनाना चाहते हैं ताकि हसदेव उज्जवल व अखंड हो सके। मैं जिम्मेदार औद्योगीकरण के माध्यम से विकास का समर्थन करता हूँ तथा उम्मीद करता हूँ कि सरगुजा के लोग भी विकास विरोधी एजेंडा चलाने वालों का विरोध कर उन्हें सबक सिखाएँगे।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की हुई समीक्षा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर / उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की समीक्षा हेतु गत 20 नवम्बर को जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण के कार्यालय में कलेक्टर श्री विलास भोसकर के निर्देशन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री नूतन कुमार कंवर के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला परियोजना अधिकारी श्री गिरीश गुप्ता की उपस्थिति में समस्त विकासखण्ड परियोजना अधिकारी एवं साक्षरता अमले से बिंदुवार 10 एजेंडों पर चर्चा की गई। बैठक में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत सरगुजा जिले में अब तक संचालित साक्षरता केन्द्रों पर जानकारी ली गई और अप्रारंभ केन्द्रों को जल्द से जल्द प्रारंभ कराने के निर्देश दिए गए।

बैठक में स्वयंसेवी शिक्षकों के प्रशिक्षण, वर्तमान में अध्ययनरत शिक्षार्थियों की जानकारी लेने, उल्लास प्रगति प्रतिवेदन को सही तरीके से भरकर प्रत्येक गुरुवार को जिला कार्यालय में प्रेषित करने सहित दिशा-निर्देश दिए गए। अब तक की स्थिति पर चर्चा करते हुए जिला परियोजना अधिकारी श्री गुप्ता ने कहा कि हम साक्षरता से जुड़े हैं। यह हमारा ही दायित्व है कि हम इसे शत प्रतिशत सफल बनाएं। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु यह आवश्यक है कि समय-समय पर ब्लॉक स्तरीय बैठक आयोजित की जाए जिसमें जिला स्तर के अधिकारी भी सम्मिलित होंगे। इसके साथ ही ग्राम प्रभारी की भी बैठक ब्लाक स्तर एवं जिला स्तर पर ली जाए। प्रत्येक केंद्र में बैनर प्रवेशिका इत्यादि की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। जिन साक्षरता केन्द्रों को अभी भी नियमित रूप से आरंभ नहीं किया जा सका है, उन्हें विशेष रूप से ध्यान देकर नियमित संचालन किया जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कार्य करने वाले वॉलिंटियर्स को पूर्व में कार्यरत सफल प्रेरकों का उदाहरण देकर मोटिवेट किया जाए। ग्राम में जाकर चौपाल लगाई जाए जिसमें ग्राम प्रभारी शिक्षक, जनमानस, वॉलिंटियर्स शिक्षार्थी सभी सम्मिलित रहे इससे न केवल शिक्षार्थियों को मोटिवेशन मिलेगा बल्कि वॉलिंटियर्स भी प्रेरित होंगे। यह ध्यान रखा जाए कि केंद्र में सिर्फ पढ़ाई के विषय में बात ना हो बल्कि अन्य विषयों पर चर्चा कर उसे रुचिकर बनाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक साक्षरता केंद्र में उल्लास साक्षरता केंद्र प्रभारी बनाए जाएंगे। जो कि शिक्षक, मितानिन, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका इत्यादि हो सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि सभी ब्लॉक में दो-दो मॉडल केंद्र बनेंगे जहां नवाचारी गतिविधियां आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अन्य विभागों के साथ भी संपर्क स्थापित किया जाए। सरगुजा जिले को उल्लास कार्यक्रम हेतु राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना हमारा प्रयास है। बैठक में बीपीओ श्री सम्पूरन राय, अरविंद गुप्ता, अरुण कुमार गुप्ता, उमेष गुप्ता, प्रेम कुमार गुप्ता, कमलेष वर्मा, अंजनी कुमार मिश्रा, श्री सत्यनारायण भगत, अरुण कुमार रॉय, सुजीत कुमार जायसवाल, बीपीओ शहरी श्रीमती इंदू मिश्रा, कार्यालय सहायक पी.के.महापात्र, मनोज कुमार, अभिलाष खरे, रजनीष मिश्रा, किरण खलखो, महिमा तिर्की, बरियो मिंज, मीनू तिकी, दुर्गावती उपस्थित रहे।

CGPSC घोटाला: CBI बढ़ाएगी जांच का दायरा, रसूखदारों के बीच खलबली

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित पीएससी (छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग) भर्ती घोटाले में सीबीआई (केंद्रीय जांच ब्यूरो) ने पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी और बजरंग इस्पात के डायरेक्टर को गिरफ्तार कर लिया है। इस कार्रवाई के बाद रसूखदारों के बीच खलबली मच गई है। संकेत मिल रहे हैं कि जांच का दायरा बढ़ने पर सीबीआई जल्द ही एक आईपीएस और एक रिटायर्ड आईएएस अधिकारी को भी हिरासत में ले सकती है।

सीबीआई जांच : भाजपा की जनहित याचिका से शुरू हुआ मामला

सीजीपीएससी 2021-22 भर्ती में गड़बड़ियों का मामला तब प्रकाश में आया, जब पूर्व गृह मंत्री और भाजपा नेता ननकी राम कंवर ने हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की। हाई कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए पीएससी और राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस मामले को गंभीरता से लेते हुए छत्तीसगढ़ की युवाओं को न्याय दिलाने और घोटाले की सीबीआई जांच कराने का वादा किया था। सत्ता में आने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस वादे को पूरा करते हुए राज्य में प्रतिबंधित सीबीआई को इस घोटाले की जांच का जिम्मा सौंपा।

जांच के पहले चरण में दो गिरफ्तार, और नाम आने की संभावना

सीबीआई ने अपनी शुरूआती जांच में पीएससी के पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी और उद्योगपति बजरंग गोयल को गिरफ्तार किया है। अब चर्चा है कि जल्द ही एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी और पुलिस अफसर को भी गिरफ्त में लिया जा सकता है।

सीबीआई की जांच की तेजी ने प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में हड़कंप मचा दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में कुछ और चौंकाने वाले नाम सामने आ सकते हैं।

हाईकोर्ट की फटकार और गड़बड़ियों की पुष्टि

हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि अगर याचिका में लगाए गए आरोप और प्रस्तुत सूची सही हैं, तो यह गंभीर मामला है। कोर्ट ने संकेत दिए थे कि अफसरों के बच्चों के चयन में गड़बड़ी हुई है।

पहली परीक्षा की जितनी चर्चा, उससे भी इस मामले की हो रही

छत्तीसगढ़ राज्य लोक सेवा आयोग के गठन और उसके बाद अब तक जितनी भी परीक्षाएं सीजीपीएससी ने आयोजित की अमूमन सभी विवादों के घेरे में रहा है। सभी परीक्षाओं के बाद भर्ती का मामला हाई कोर्ट पहुंचा। सबसे ज्यादा चर्चित वर्ष 2003 में आयोजित पहली परीक्षा रही। मौजूदा दौर में वर्ष 2021-22 में आयोजित परीक्षा में तो भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों की सीमाएं ही लांघ दी है। छत्तीसगढ़ के युवाओं का भरोसा ही सीजीपीएससी के अफसरों ने तोड़ दिया है।

ये है वो नाम, जिसे लेकर मचा है बवाल

0 नितेश, डिप्टी कलेक्टर, पीएससी के अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी का पुत्र, सरनेम छिपाया गया

0 साहिल, डीएसपी, पीएससी के अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी के बड़े भाई का पुत्र, सरनेम छिपाया गया

0 निशा कोशले, डिप्टी कलेक्टर, पीएससी के अध्यक्ष टामन सिंह के पुत्र नितेश की पत्नी

0 दीपा अजगले/आदिल जिला आबकारी अधिकारी, पीएससी के अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी के भाई की बहू

0 सुनीता जोशी, लेबर आफिसर, पीएससी के अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी की बहन की पुत्री

0 सुमित ध्रुव, डिप्टी कलेक्टर, लोक सेवा आयोग के सचिव अमृत खलखो का पुत्र

0 नेहा खलखो, डिप्टी कलेक्टर, लोक सेवा आयोग के सचिव अमृत खलखो की पुत्री

0 निखिल खलखो, डिप्टी कलेक्टर, लोक सेवा आयोग के सचिव अमृत खलखो का पुत्र

0 साक्षी ध्रुव, डिप्टी कलेक्टर, बस्तर नक्सल आपरेशन के डीआइजी ध्रुव की पुत्री

0 प्रज्ञा नायक, डिप्टी कलेक्टर कांग्रेस नेता के ओएसडी के रिश्तेदार की पुत्री

0 प्रखर नायक, डिप्टी कलेक्टर, कांग्रेस नेता के ओएसडी के रिश्तेदार का पुत्र

0 अन्यया अग्रवाल, डिप्टी कलेक्टर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता की पुत्री

0 शशांक गोयल, डिप्टी कलेक्टर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुधीर कटियार का दामाद

0 भूमिका कटियार, डिप्टी कलेक्टर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुधीर कटियार की पुत्री।

0 खुशबू बिजौरा, डिप्टी कलेक्टर, कांग्रेस नेता के ओएसडी के साढू भाई की पुत्री।

0 स्वर्णिम शुक्ला, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग, कांग्रेस नेता राजेंद्र शुक्ला का पुत्र

0 राजेंद्र कुमार कौशिक, डिप्टी कलेक्टर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता का पुत्र

0 मिनीक्षी गनवीर, डिप्टी कलेक्टर, गनवीर की पुत्री जो कि लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी के साथ रहती हैं।

भ्रष्टाचार ने युवाओं का भरोसा तोड़ा

छत्तीसगढ़ राज्य लोक सेवा आयोग पर पहले भी विवाद के आरोप लगते रहे हैं, लेकिन 2021-22 की भर्ती में गड़बड़ियों ने सभी हदें पार कर दीं। परीक्षाओं में चयनित उम्मीदवारों की सूची में अफसरों और रसूखदारों के परिवार के सदस्यों के नाम ने युवाओं का भरोसा तोड़ दिया है। छत्तीसगढ़ के युवाओं और जनता को अब सीबीआई की आगे की कार्रवाई का इंतजार है।

सफलता की कहानी : मनरेगा के तहत कूप निर्माण से मिली सिंचाई की सुविधा

अब धान के अलावा गेंहू, आलू, अरहर और मकई की फसल का लाभ भी ले पा रहे किसान राममिलन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर / जिले के विकासखण्ड बतौली के ग्राम पंचायत मंगारी निवासी राममिलन वर्तमान में दोहरी फसल का लाभ ले पा रहे हैं और इसकी वजह है महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना। हितग्राही राममिलन द्वारा अपनी निजी भूमि पर मनरेगा से कुआं निर्माण कराया गया है। वे बताते हैं कि कूप निर्माण के बाद सिंचाई सुविधा मिलने से अब बारिश के पानी पर निर्भरता कम हो गई है, साथ ही फसल या सब्जियों की पैदावार के लिए साल भर पानी भी आसानी से अपने ही कुएं से मिलने लगा है। दैनिक कार्यों एवं सिंचाई में पानी की जरूरतें पूरी हो रही हैं। वे अपना अनुभव साझा करते हुए बताते हैं कि महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत हितग्राही मूलक कार्यों में कुआं निर्माण हेतु उन्होंने ग्राम पंचायत को आवेदन दिया था जिस पर ग्राम के तकनीकी सहायक द्वारा तकनीकी प्राक्कलन तैयार कर जनपद से जिले को भेजा गया और फिर वहां से कुएं के निर्माण के लिए उन्हें 2.99 लाख रुपए की राशि की स्वीकृति प्राप्त हुई। कुएं के निर्माण में कार्यक्रम अधिकारी संतोषी पैंकरा एवं तकनीकी सहायक शशांक सिंह का पूरा मार्गदर्शन और सहयोग मिला जिससे जल्दी ही कुएं का निर्माण कार्य पूरा हुआ। मनरेगा योजना से, जहां राममिलन को उनका आवश्यकता अनुरूप कुएं की सुविधा मिली, वहीं इस निर्माण कार्य से 600 मानव दिवस अर्जित हुए और मनरेगा श्रमिकों को भी रोजगार मिला।

राममिलन के पास 04 एकड़ जमीन जोकि असिंचित थी, अब सिंचाई का साधन कुआं मिलने से उपयोग में आने लगी है। वर्तमान में उनके द्वारा खेती कर अच्छी आय प्राप्त की जा रही है। वे बताते हैं कि उनको अब धान का थरहा खरीदना नहीं पड़ता, पानी की सुविधा के कारण समय से धान लगाते हैं। इससे पूर्व में गेंहू की खेती नहीं कर पाते थे। वर्तमान में गेंहू की खेती के साथ आलू, अरहर, एवं मकई आदि की खेती भी कर पा रहे हैं। शासन की योजना और प्रशासन की टीम के सहयोग से हुई सहूलियत के लिए राममिलन छत्तीसगढ़ शासन और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हैं।

ग्राम लोशगा में आयोजित आदिवासी करमा तिहार में लुण्ड्रा विधायक हुए शामिल प्राकृतिक खेती के लिए लोगों को किया प्रेरित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनपुर , सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड के ग्राम लोशगा में बुधवार की दोपहर आदिवासी देसी खेती संगठन (प्राकृतिक खेती) द्वारा आदिवासी करमा तिहार का आयोजन किया गया था। मुख्य अतिथि के तौर पर लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, विधायक प्रतिनिधि राकेश साहू, मंडल महामंत्री विक्रम सिंह, फादर आई जैक कुजूर, अजय बरवा प्रवीण यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सर्वप्रथम अतिथियों के द्वारा महामानव बिसरा मुंडा जी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। विधायक ने करमा तिहार को लेकर उपवास रखी युवतियों और ग्राम बैगा को शाल साड़ी देकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आदिवासी संस्कृति को बचाना और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना है। करमा तिहार कार्यक्रम में 40 गांव के लोग आमंत्रित थे।जिसमें आदिवासी समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए वहीं विभिन्न गांव से करमा दलों द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई। इस दौरान विधायक प्रबोध मिंज करमा दलों के साथ मांदर की थाप पर थिरकते नजर आए। आदिवासी देसी खेती संगठन(प्राकृतिक खेती) द्वारा स्टॉल में प्राकृतिक कंदमूल, टोकरी, दोना, आदिवासी जेवर ,कोदो, कुटकी धान तिलहन अन्य सामान था। विधायक ने स्टाल का निरीक्षण कर कार्यक्रम को लेकर सराहना करते हुए करमा तिहार को लेकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस दौरान दर्जनों ग्राम सरपंचो ने शादी विवाह व कार्यक्रमों के लिए सामुदायिक भवन की मांग की गई।जिस पर मंच से ही प्रबोध मिंज ने सामुदायिक भवन बनाने की घोषणा की है। इस कार्यक्रम में सरपंच पति हरीलाल लकड़ा सरपंच शांति लकड़ा ,मीणा सोनवानी, कृष्ण नाथ, जमुना प्रसाद प्रमोद सिंह, दिनेश तिर्की प्रमिला एकका साहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन मौजूद रहे।

सम्पादकीय

वायु प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती बिल्कुल सही

प्रदूषण पर सख्ती दिखाकर सुप्रीम सुप्रीम कोर्ट बिल्कुल सही किया है। कोर्ट ने एनसीआर में ग्रैप-4 लागू होने के बाद इसके प्रतिबंधों को तुरंत लागू करने का आदेश देते हुए कहा कि अदालत से बिना पूछे इसे न हटाया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को पांच निर्देश भी जारी किए। दिल्ली, हरियाणा और यूपी राज्य सरकारें स्टेज 4 के प्रतिबंध तुरंत लगाएं और इनका सख्ती से पालन किया जाए। ये राज्य एक टीम बनाएं जो स्टेज 4 के लागू होने पर नजर रखे। अगर किसी प्रतिबंध का उल्लंघन किया जाता है, तो ऐसे केस सुलझाने के लिए मैकेनिज्म बनाया जाए। जब तक हम अगला आदेश नहीं देते, तब तक स्टेज 4 ग्रैप लागू रहना चाहिए, भले एक्यूआई 450 से नीचे आ जाए। 10वीं और 12वीं की कक्षाएं अभी भी लग रही हैं, एनसीआर में शामिल राज्य सरकारें तुरंत स्कूल बंद करने पर फैसला लें। असल में बीते कुछ दिनों से दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में प्रदूषण आपातकाल जैसे हालात हैं। दम घोंटू हवा के कारण जीवन कठिन हो गया है। दिल्ली, गुरुग्राम और फरीदाबाद में प्रदूषण के हालात ये हैं कि लोग घर से बाहर नहीं निकल पा रहे। अस्पतालों में सांस व स्किन के मरीजों की कतार लगातार लंबी होती जा रही है। वैसे तो पूरे देश की ही हालात खराब हो रहे हैं, लेकिन देश की राजधानी की स्थिति बद से बदतर है। देशभर में प्रदूषण के कारण बीते साल करीब 24 लाख भारतीयों ने दम तोड़ दिया, जिसमें से 16.7 लाख लोगों ने केवल वायु प्रदूषण के कारण अपनी जान गंवाई। यह आंकड़ा दुनिया के अन्य देशों की तुलना में सबसे अधिक है। यह जानकारी लैंसेट के नए अध्ययन में सामने आई। वायु प्रदूषण के कारण होने वाली मौतों का आंकड़ा केवल भारत में 9.8 लाख है, वहीं 6.1 लाख लोग घर में वायु प्रदूषण की चपेट में आ गए। दुनियाभर की बात करें तो 2019 में 90 लाख लोगों की मौत हुई। यह दुनिया में होने वाली हर छठी मौत के बराबर है। लैंसेट के अनुसार, 90 लाख मौतों में से 66.7 लाख मौतें घरेलू और वातावरण में मौजूद वायु प्रदूषण के कारण हुईं। वहीं जल प्रदूषण से 13.6 लाख मौतें हुईं। इसके अलावा 9 लाख लोगों की मौत का कारण सीसे को माना गया। प्रोफेशन संबंधित प्रदूषण के संपर्क में आने से 8.7 लाख मौतें हुईं। साल 2000 में रासायनिक प्रदूषण से 90 हजार लोगों ने दम तोड़ दिया। 2015 में प्रदूषण के कारण इससे 17 लाख लोगों की मौतें हुई थीं। साल 2019 में इस तरह की मौत का आंकड़ा 18 लाख रहा। रिपोर्ट के प्रमुख लेखक रिचर्ड फुलर ने कहा कि प्रदूषण से सेहत पर पड़ रहे बुरे प्रभावों को लेकर वैश्विक स्तर पर किए गए प्रयास कामयाब नहीं दिखते। शोधकर्ताओं का कहना है कि प्रदूषण के कारण हो रहीं बीमारियां इस कदर जानलेवा होती हैं कि औसतन हर दिन 6,500 लोगों की मौतें हो रहीं हैं। कोरोना महामारी के कारण हो रही मौतों की तुलना करें तो प्रदूषण के कारण अधिक मौतें होती हैं। प्रदूषण के कारण होने वाली मौतों के कारण साल 2019 में करीब 356.66 लाख करोड़ का आर्थिक नुकसान हुआ था। यह वैश्विक आर्थिक उत्पादन के 6.2 फीसद के बराबर है। प्रदूषण से संबंधित 92 फीसद मौतें और प्रदूषण के कारण होने वाले आर्थिक नुकसान का सबसे ज्यादा भार निम्न और मध्यम वर्ग के देशों पर पड़ रहा है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाकर बिल्कुल सही किया है, लेकिन प्रदूषण केवल कोर्ट की कड़ाई से खत्म नहीं होगा। हम सबको मिलकर प्रयास करने होंगे। तभी स्वच्छ हवा में सांस ले पाएंगे।

स्मृति शेष

प्रणय कुमार

शिक्षा में भारतीयता के पैरोकार दीनानाथ

दीनानाथ बतरा की प्रखर बौद्धिकता, गहरी सामाजिक-सांस्कृतिक समझ, प्रभावी संप्रेषणशीलता और सर्वसाधारण को समझने-समझाने की अद्भुत कला थी कि उन्होंने पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकों में बदलाव जैसे शैक्षिक मुद्दे को जन-सरोकार में परिणत कर दिया था। इक्कीसवीं सदी का बीता ढाई दशक शिक्षा-क्षेत्र में उनकी महत्त्वपूर्ण उपस्थिति एवं निर्णायक पहल के लिए याद रखा जाएगा। बतरा जी जैसे शिक्षाविदों के सतत प्रयास के बल पर देश को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 तो मिल गई, पर क्या उसके क्रियान्वयन की गति संतोषजनक है? ऐसे प्रश्नों का समग्र उत्तर बतरा को कृतज्ञ राष्ट्र की सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

भारत के शैक्षिक-सामाजिक परिवेश में बहुधा ऐसा कम ही देखने को मिलता है कि कोई व्यक्ति अपने जीवन-काल में ही शिक्षा-क्षेत्र में किए गए प्रयोगों एवं आंदोलनों के कारण चर्चा और आकर्षण का केंद्र बिंदु बन जाए। पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों को सामान्यतः अरुचिकर एवं नीरस विषय माना जाता है। जनसामान्य तो क्या प्रबुद्ध वर्ग भी उसके प्रति प्रायः उदासीन ही रहता है। यह दीनानाथ बतरा की प्रखर बौद्धिकता, गहरी सामाजिक-सांस्कृतिक समझ, प्रभावी संप्रेषणशीलता और सर्वसाधारण को समझने-समझाने की अद्भुत कला थी कि उन्होंने पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकों में बदलाव जैसे शैक्षिक मुद्दे को जन-सरोकार में परिणत कर दिया था। इक्कीसवीं सदी का बीता ढाई दशक शिक्षा-क्षेत्र में उनकी महत्त्वपूर्ण उपस्थिति एवं निर्णायक पहल के लिए याद रखा जाएगा। गत 7 नवंबर, 2024 को दिल्ली में उनका निधन हो गया। यह कहना अनुचित नहीं होगा कि भारतीय मूल्यों को पोषित करने वाली शैक्षिक संस्थाएं विद्या भारती, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, भारतीय शिक्षण मंडल आदि के वैचारिक अधिष्ठान को मजबूती पतथा उसे गति प्रदान करने में उन्होंने सक्रिय एवं अग्रणी भूमिका निभाई।

वे भारत और भारतीयता के प्रबल पक्षधर थे। पक्षधर होना एक बात है, परंतु जिसके पक्ष में खड़े हैं, उसके लिए निरंतर अध्ययन करना और आवश्यकता पड़ने पर उसके लिए सड़क पर उतरकर आंदोलन करना या न्यायालय के दरवाजे खटखटाना दूसरी बात। जब हम छोटे-छोटे स्वार्थ, प्रलोभन, सम्मान-पुरस्कार के मोहपाश, पुलिस-प्रशासन एवं निरंकुश सत्ताओं के दबाव तथा अहं के टकराव आदि के कारण झुकते, बुद्धिजीवियों को देखते हैं तो बतरा जैसे ध्येयनिष्ठ योद्धा का महत्त्व समझ में आता है। वे अपने ध्येय एवं संकल्प के लिए बड़ी-से-बड़ी शक्तियों से लड़ने की सामर्थ्य रखते थे। विचारधारा को ताक पर रखकर सत्ता-प्रतिष्ठानों से समझौता-समन्वय करने का भाव उनमें कभी नहीं रहा, न ही प्रसिद्धि के शिखर पर पहुंचने के बाद उनमें बुद्धिजीवियों में पाई जाने वाली चयनित-सुविधावादी तटस्थता ही देखने को मिली। सबको साथ लेकर चलने की सांगठनिक कुशलता एवं कार्यकर्ताओं के हितचिंतन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए भी उन्होंने कभी तत्त्व-दर्शन को दृष्टिपथ से ओझल नहीं होने दिया।

साहस उनका इतना प्रबल था कि 30 मई, 2001 को उन्होंने तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को नोटिस भेजकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में पारित प्रस्ताव में विद्या भारती के प्रति की गई अपमानजनक टिप्पणी को हटाने की पुरजोर मांग की। उन्होंने तमाम प्रामाणिक तथ्यों, तर्कों एवं साक्ष्यों के द्वारा कांग्रेस द्वारा लगाए गए इस आरोप को निराधार सिद्ध किया कि 'विद्या भारती की पाठ्यपुस्तकों में अल्पसंख्यकों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण हैं एवं वे जाति-व्यवस्था, सती-प्रथा एवं बाल-विवाह को उचित ठहराती हैं।' कांग्रेस के पास उनके अकाट्य तर्कों, साक्ष्यों आदि का कोई ठोस प्रत्युत्तर नहीं था। 2006 में उन्होंने एक जनहित याचिका दायर कर एनसीईआरटी की सामाजिक विज्ञान एवं

इतिहास की पाठ्यपुस्तकों में प्रकाशित सामग्री पर 70 आपत्तियां उठाईं। उन आपत्तियों के औचित्य एवं आधार का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उनमें से कुछ सामग्री में लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, बिपिन चंद्र पाल, अरबिंदो घोष एवं भगत सिंह को 'उग्रवादी' तथा प्राचीन काल में ब्राह्मणों एवं आर्यों को गोमांस का सेवन करने वाला तक बताया गया था। बतरा जी ने सप्रमाण यह सिद्ध किया कि ये मनगढ़ंत, मिथ्या एवं भ्रामक बातें हैं और इनका ऐतिहासिक तथ्यों से कोई लेना-देना नहीं है। बौद्धिक सत्य के प्रति उनके संघर्ष का ही परिणाम था कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने उनकी आपत्तियों का संज्ञान लेते हुए एनसीईआरटी को इन आपत्तियों का अध्ययन करने के लिए एक समिति बनाने का निर्देश दिया। बाजारवादी शक्तियों और उनके बौद्धिक समर्थकों ने जब विद्यालयी स्तर पर यौन-शिक्षा को संपूर्ण देश में अनिवार्य किए जाने की मांग उठाई, तब दीनानाथ बतरा भारतीय समाज पर पड़ने वाले उसके दुष्प्रभावों एवं संभावित खतरों को समझने वाले प्रमुख व्यक्ति थे। तब उनके तार्किक प्रतिरोध के कारण ही कुछ प्रादेशिक सरकारों ने अपने राज्य में यौन शिक्षा को विद्यालयी स्तर पर अनिवार्य करने से मना कर दिया था। 2008 में उन्होंने शिक्षा बचाओ आंदोलन की ओर से दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास के पाठ्यक्रम में से एके रामानुजन के निबंध 'थ्री हंड्रेड रामायणाज : फाइव एग्जांपल एंड थ्री थॉट्स ऑन ट्रांसलेशन' को हटाने की मांग की, परिणामस्वरूप 2011 में विश्वविद्यालय के अकादमिक परिषद द्वारा उक्त निबंध को पाठ्यक्रम से हटा लिया गया। 3 मार्च, 2010 को उन्होंने वेंडी डोनिगर, पेंगुइन समूह, संयुक्त राज्य अमेरिका एवं पेंगुइन इंडिया की सहायक कंपनी को एक वैधानिक चेतावनी भेजकर 'द हिंदुज : एन अल्टरनेटिव हिस्ट्री' में उल्लिखित सामग्रियों पर आपत्तियां उठाईं। उन आपत्तियों का संज्ञान न लिए जाने पर 2011 में उन्होंने डोनिगर एवं पेंगुइन प्रकाशन के विरुद्ध धार्मिक समुदायों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने तथा जान-बूझकर अपमानित किए जाने की मंशा से किए गए कृत्यों के लिए मुकदमा भी दायर किया, अंततः फरवरी 2014 में पेंगुइन इंडिया को इस पुस्तक की मुद्रित सभी प्रतियां वापस लेने के लिए बाध्य होना पड़ा।

2011 में ही उन्होंने वामपंथी विचारधारा से प्रेरित पत्रिका 'द फ्रंटलाइन' के संपादक एन. राम को 'शॉर्टकट टू हिंदू राष्ट्र' शीर्षक से आवरण-कथा प्रकाशित करने के लिए वैधानिक चेतावनी भेजी। भारतवर्ष की महान परंपरा में किसी की मृत्यु को वैचारिक मतभेद प्रकट करने का अवसर नहीं माना जाता, परंतु दीनानाथ बतरा के प्रति 'द फ्रंटलाइन' पत्रिका की घृणा का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उनकी मृत्यु के मात्र दो दिनों बाद उसमें 'दीनानाथ बतराः द एजुकेशनिस्ट हू वेज्ड वार एगेंस्ट नॉलेज' शीर्षक से लेख छपा। उनके मरणोपरांत भी उनके विरुद्ध विषवमन करने में पत्रिका ने कोई संकोच नहीं दिखाया। सोचकर देखें कि सनातन विरोधी गतिविधियों पर उनकी कितनी सतर्क दृष्टि रही होगी कि वे अकेले उन शक्तिशाली संगठनों एवं प्रकाशकों से मोर्चा लेते रहे और उनके मनमानेपन पर एक सीमा तक लगाम लगाए रखी। उनके निधन के पश्चात यह विचार करना सर्वथा उचित रहेगा कि शिक्षा में जिन मूल्यों की स्थापना के लिए दीनानाथ बतरा जैसे योद्धा जीवनपर्यंत संघर्षरत रहे, उसमें कहां तक और कितनी सफलता मिली? क्या शिक्षा के भारतीयकरण एवं पाठ्यक्रम-परिवर्तन की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है? सुखद है कि बतरा जी जैसे अनेक शिक्षाविदों के सतत चिंतन प्रयास एवं पुरुषार्थ के बल पर देश को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 जैसी युगांतकारी नीति तो मिल गई, पर क्या उसके क्रियान्वयन की गति संतोषजनक है? ऐसे सभी प्रश्नों का यथार्थ, प्रामाणिक एवं समग्र उत्तर बतरा जी को कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

(लेखक शिक्षाविद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

विश्लेषण

सुरेश हिंदुस्तानी

भारत से प्रेरित ट्रंप की जीत

अमेरिका में रिपब्लिकल पार्टी की ऐतिहासिक विजय के बाद अब यह तय हो गया है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनेंगे। अमेरिका का इतिहास बताता है कि ट्रंप की यह जीत उनकी ऐतिहासिक वापसी है। अमेरिका में यह विजय किसी चमत्कार से कम नहीं है। 130 वर्ष के अमेरिकी इतिहास में यह पहली बार है, ज़ब किसी ने यह कारनामा किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने लगातार तीसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा, जिसमें पहली और तीसरी बार वे सफल रहे, दूसरी बार के चुनाव में जो बाइडेन से पराजित हो गए। इस चुनाव में पराजित होने के बाद ट्रंप अमेरिका में राजनीतिक तौर पर लगातार सक्रिय रहे। उनका मिशन फिर से राष्ट्रपति बनना ही था, जिसे उन्होंने बखूबी अंजाम देकर एक नया कीर्तिमान बना दिया। चुनाव में उनकी प्रतिद्वंदी कमला हैरिस यकीनन राजनीतिक समझ रखती थी, लेकिन यह समझ सफलता की परिचायक नहीं बन सकी। यहां एक ख़ास तथ्य यह भी माना जा सकता है कि कमला हैरिस को भारतीय मूल का बताने का सुनियोजित प्रयास किया गया, ऐसा इसलिए किया गया कि भारतीय मूल के मतदाताओं को उनके पक्ष में लाया जा सके,

लेकिन वे जिन हाथों में खेल रही थी, वह लाइन भारत के लिए राजनीतिक तौर सही नहीं थी। वैश्विक राजनीति के जानकार ट्रंप की जीत कई निहितार्थ निकाल रहे हैं। कई विश्लेषक ट्रंप की जीत को भारत की कूटनीतिक सफलता के तौर पर भी स्वीकार कर रहे हैं। इसका एक कारण यह माना जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर भारत सरकार जिस नीति और विचार को लेकर कार्य कर रही है, उसकी झलक ट्रंप के विचारों में भी दिखाई देती है। इसके अलावा ट्रंप का कहना है कि अमेरिका की खोई ताकत को फिर से प्राप्त करना चाहते हैं। आज अमेरिका कहने मात्र को ही महाशक्ति है, लेकिन उसका वैसा दबदबा आज नहीं है, जो पहले हुआ करता था। इस बीच भारत ने महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्र गति से अपने कदम बढ़ाए हैं, इसलिए आज विश्व के अनेक देश भारत को महाशक्ति के रूप में देखने लगे हैं। हमें स्मरण होगा कि रूस और यूक्रेन के मध्य युद्ध के दौरान भारत के नागरिक पूरे सम्मान के साथ भारत लौटे थे। उस समय भारत के नागरिकों के समक्ष यूक्रेन की सेना ने अपने हथियार नीचे कर लिए थे। यह केवल एक दृश्य नहीं, बल्कि भारत की शक्ति का ही परिचायक था। भारत की इस बढ़ती शक्ति से अमेरिका भी भली भांति परिचित है। रूस और यूक्रेन युद्ध के बारे में कई बार यह कहा जा चुका है कि भारत चाहे तो युद्ध रुकवा सकता है। अमेरिका के इस चुनाव में भारत के लोकसभा चुनाव की तरह ही प्रचार किया गया। कई प्रकार के नैरेटिव स्थापित करने का प्रयास किए गए। वामपंथी विचार के मीडिया ने ट्रंप की राह में अवरोध पैदा करने के भरसक प्रयास किए। यही तो भारत में किया गया। वामपंथी समूह ने भारत के लोकसभा चुनावों में सरकार के विरोध में जहरीली भाषा का प्रयोग किया। फिर भी आख़रिकार नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन हो गए। विश्व के कई देश आज कई प्रकार की समस्याओं से जूझ रहे हैं। कोरोना के बाद कई देशों की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है, उसे पटरी पर लाने के लिए उस देश की सरकार की ओर से भरपूर प्रयास किए जा रहे हैं। इनमें कई समस्याएं ऐसी हैं, जो सबके सामने हैं। आतंकवाद एक विकराल समस्या बनता जा रहा है। अमेरिका भी इससे ग्रसित है। रूस और यूक्रेन की बीच तनातनी कम नहीं हो रही। इजराइल और हमास के बीच युद्ध है। अमेरिका में ट्रंप के पुनः राष्ट्रपति बनने के बाद यह लग रहा है कि अब आतंक के सहारे भय का वातावरण बनाने वाले किसी भी कदम को रोकने का प्रयास किया जाएगा। अमेरिका में ट्रंप की जीत से पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश में सुगबुगाहट प्रारम्भ हो गई है, क्योंकि यह देश भारत को हमेशा अस्थिर करने की फिराक में रहते हैं। हम वह वाक्या अभी तक भूले नहीं हैं, ज़ब अमेरिका ने आतंक के विरोध में लादेन को मौत के घाट उतार दिया था, हालांकि उस समय अमेरिका के राष्ट्रपति ओबामा थे, लेकिन आतंक के विरोध में ट्रंप का भी वैसा ही रवैया माना जा सकता है। चीन के समक्ष भी स्थिति पैदा होती दिखाई दे रही है। अमेरिका हमेशा से ही पाकिस्तान से आतंक के विरोध में कार्यवाही करने के लिए कहता है, लेकिन जो देश आतंक के आकाओं के सहारे ही चल रहा हो, वह आतंक के विरोध में कैसे कार्यवाही कर सकता है। अब अमेरिका में ट्रंप के पुनः आने के बाद इस बात की संभावना बढ़ गई है कि पाकिस्तान दिखावे के लिए ही सही, लेकिन आतंक के आकाओं के खिलाफ एक्शन लेगा।

((लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

गुणों के विकास से आध्यात्मिक स्वास्थ्य संभव

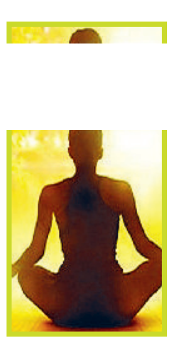

संकलित

दर्शन

हमारे पास एक शरीर है, हमें उसका पोषण करना है और जब वह रोगग्रस्त हो जाता है, तब हमें उसकी देखभाल करनी है। हमें उसके आरोग्य का उपाय ढूंढ़ना है और जीवन के भौतिक पक्ष से जुड़े सभी विषयों पर ध्यान देना है, परंतु बात यह है कि प्रायः मानव जाति केवल यहीं पर रुक जाती है। उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि हमारे अस्तित्व का एक मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और उच्चतर आध्यात्मिक आयाम भी है। इसलिए सफलता का उनका (परमहंसजी का) मार्ग था उचित संतुलन को प्राप्त करना। वहां, जहां आप भौतिक सफलता और समृद्धि प्राप्त करते हैं। जहां आपके पास भावनात्मक संतुलन और आंतरिक शांति होती है। आध्यात्मिक रूप से आपके पास एक उच्चतर उद्देश्य के लिए अपने जीवन को संचालित करने का ज्ञान होता है, न केवल धन एकत्र करना और परिवार व संतानों की उपलब्धि, अपितु यह अनुभव करने का एक उच्चतर उद्देश्य कि मैं ईश्वर का एक स्फुलिंग हूं, मैं इस भौतिक शरीर में निवास करने वाला आत्मा हूं और अपने जीवन के सभी पक्षों में ईश्वर के पूर्ण साक्षात्कार और अभिव्यक्ति की प्राप्ति ही मेरा अंतिम उद्देश्य है। एक बार जब आप यह धारणा बना लेते हैं, तो जीवन अत्यंत रोमांचक हो जाता है, क्योंकि सब प्रकार के कौशल, क्षमताएं और योग्यताएं आपके लिए उपलब्ध हैं। ये प्रत्येक मनुष्य की अक्षय निधि का अंग हैं, परंतु वे तब तक पूर्ण रूप से निष्क्रिय रहती हैं, जब तक उन्हें सचेतन एकाग्रता और सचेतन प्रयास के द्वारा जाग्रत नहीं किया जाता है।

ज्ञान पाना चाहते हैं तो अहंकार छोड़ दें

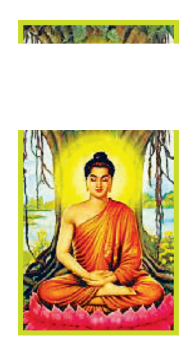

संकलित

प्रेरणा

गौतम बुद्ध यात्रा करते रहते थे और बीच-बीच में जहां ठहरते थे, वहां अपने शिष्यों को और अन्य लोगों को उपदेश दिया करते थे। बुद्ध के साथ उनका एक शिष्य हमेशा रहता था। उसका नाम था आनंद। एक दिन बुद्ध प्रवचन दे रहे थे और उस समय आनंद ने पूछा कि तथागत, आप जब प्रवचन देते समय ऊंची जगह पर बैठते हैं और सुनने वाले नीचे बैठते हैं, ऐसा क्यों है? बुद्ध ने आनंद की बातें ध्यान से सुनीं और कहा कि आनंद पहले तुम ये बताओ कि क्या तुमने कभी किसी झरने से पानी पिया है? आनंद बोला कि हां, मैंने झरने से पानी पिया है। इसके बाद बुद्ध ने फिर पूछा कि तुमने पानी कैसे पिया? आनंद ने बुद्ध को बताया कि झरना ऊपर से बह रहा था और मैंने झरने के नीचे खड़े होकर पानी पिया था। बुद्ध ने आनंद से कहा कि बस यही तुम्हारी बात का जवाब है। अगर हम झरने से पानी पीना चाहते हैं तो हमें उस झरने के नीचे ही खड़े रहना पड़ेगा। ठीक इसी तरह प्रवचन भी एक झरने की तरह है। जहां ज्ञान का झरना बहाने वाला ऊंची जगह पर बैठते हैं और जो लोग ज्ञान के झरने का पान करना चाहते हैं, वे नीचे बैठते हैं। दरअसल, ज्ञान पाने का सबसे पहला नियम ये है कि हमें अहंकार छोड़ना पड़ेगा। नीचे बैठने से हमारे स्वभाव में जो विनम्रता आती है, अहंकार दूर होता है। इसके बाद ही हम किसी की ज्ञान की बातें ठीक से समझ पाते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

लापरवाही के अग्निकांड कब रुकेंगे?

एक बार फिर कुछ लोगों की लापरवाही नवजात बच्चों की जान पर भारी पड़ गई। हाल ही में महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज, झांसी में आग लगने से कुछ नवजात बच्चों की मौत हो गई और कुछ घायल भी हुए हैं। देश में इससे पहले भी अग्निकांड के दुखद हादसे हो चुके हैं। इससे पहले गुजरात के राजकोट में गेम जोन में आग लगने से लगभग 20 लोगों की जान चली गई थी। दिल्ली के विवेक विहार में एक बेबी केयर सेंटर में भी भयानक आग लग गई थी। इसमें कुछ नवजात बच्चों की मौत हो गई थी। नवंबर 2021 में एक सप्ताह में ही देश के विभिन्न राज्यों के दो अस्पतालों में आग की घटनाओं की खबरें सामने आई थीं। और भी कई हादसे हैं, परंतु इन हादसों पर रोक न लगना चिंता का विषय है।

– मिलिंद देशपांडे, बिलासपुर

ट्रेंड

युवाओं के लिए अवसर

इस बार 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' के रूप में राष्ट्रीय युवा महोत्सव मनाया जाएगा। यह युवाओं के लिए 'विकसित भारत' के निर्माण हेतु अपने विचार सीधा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शेयर करने का अवसर बनेगा।

-मनसुख मांडविया, केंद्रीय मंत्री

शांति के लिए कदम बढ़ाएं

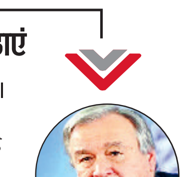

हमें शांति के लिए कदम बढ़ाना चाहिए। 'हर जगह, शांति के लिए मूल्यों पर आधारित कार्यों की आवश्यकता होती है यूएन चार्टर, कानून का शासन और संप्रभुता, राजनीतिक स्वतंत्रता और राज्यों की क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांत।

-एंटोनियो गुतारेस, यूएन महासचिव

ज़्यादा योगदान ग़रीबों का

मुंबई में रोज़ाना लाखों लोग आते हैं। देश की संपत्ति बढ़ाने में अपना योगदान देते हैं। देश की संपत्ति बढ़ाने में सबसे ज़्यादा योगदान ग़रीबों का है, छोटे व्यापारियों का है, श्रमिकों का है, वर्करों का है, ना कि मोदी जी के पूंजीपति मित्रों का है।

-मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

गीता के कुछ पन्ने पढ़ता हूं

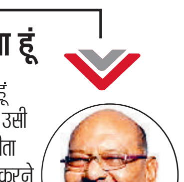

मैं हर दिन गीता के कुछ पन्ने पढ़ता हूं और यह आश्चर्यजनक है कि हर बार उसी पन्ने का एक नया अर्थ होता है। मैं गीता की शिक्षाओं को अपने जीवन में लागू करने की कोशिश करता हूं। इन सीखों को प्रत्येक सोमवार को मैं कुछ पंक्तियां साझा करूंगा।

-अनिल अग्रवाल, उद्योगपति

करंट अफेयर

ट्रंप का इमरान खान से कोई संबंध नहीं : तरार

डोनाल्ड ट्रंप के समर्थक और प्रमुख पाकिस्तानी-अमेरिकी उद्योगपति साजिद तरार ने कहा है कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति का पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं है। 'मुस्लिम फॉर ट्रंप' संगठन के प्रमुख साजिद तरार ने यह भी कहा कि ट्रंप भारत के साथ संबंधों को मजबूत करेंगे और बांग्लादेश में मानवाधिकार उल्लंघन के आरोपों पर कड़ी नजर रखेंगे। तरार ने कहा, 'पाकिस्तान में एक विशेष पार्टी द्वारा यह धारणा बनाई जा रही है कि उनके (खान के) डोनाल्ड ट्रंप के साथ व्यक्तिगत संबंध हैं। यह सच नहीं है। सच यह है कि बतौर राष्ट्रपति अपने कार्यकाल के दौरान ट्रंप ने खान को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के तैर पर 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में आमंत्रित किया था। उन्होंने कहा कि ट्रंप खान को जेल से बाहर निकालने के लिए पाकिस्तान के आंतरिक मामलों या उसकी न्यायपालिका में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। खान को पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग द्वारा दायर पहले तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद पिछले साल गिरफ्तार किया गया था।

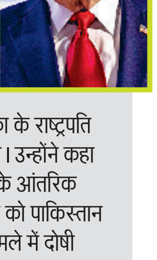

ऑफ बीट

कानूनी रूप से वैध जुए में नुकसान झेलते हैं प्रवासी

ऑस्ट्रेलिया में लोग हर साल कानूनी रूप से वैध जुए में करीब 25 अरब डॉलर गंवा देते हैं, जो दुनियाभर में व्यक्तिगत तौर पर होने वाले नुकसान का सबसे बड़ा कारण है। जुए से आर्थिक, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक नुकसान होता है और आपके प्रियजन, साथियों, सहकर्मियों व समुदाय भी इससे प्रभावित होते हैं। कुछ समुदाय अन्य समुदायों की तुलना में अलग तरह से प्रभावित होते हैं। उत्तरी क्षेत्र की बहु सांस्कृतिक आबादी बढ़ रही है, जहां 22 प्रतिशत निवासी दूसरे देशों से आए हैं और 33 प्रतिशत लोग अंग्रेजी भाषी हैं। बहुसांस्कृतिक क्षेत्रों में प्रवासी समुदाय के लगभग 37 प्रतिशत लोगों को जुआरी माना जाता है, जबकि अंग्रेजी बोलने वाले परिवारों में यह आंकड़ा 14 प्रतिशत है। कई प्रवासी, जिनमें उत्तरी क्षेत्र में रहने वाले लोग भी शामिल हैं, वित्तीय, सामाजिक और भावनात्मक दबावों का सामना करते हैं। इन दबावों के कारण कभी-कभी वे समाजीकरण या तनाव से छुटकारा पाने के साधन के रूप में जुआ खेलने के लिए प्रेरित होते हैं। हमारे शोध में यह पता लगाया गया है कि जोखिम और नुकसान को सीमित करने के लिए क्या किया जा सकता है और कैसे किया जा सकता है।

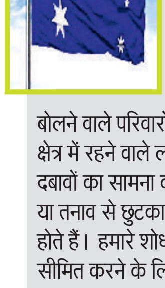

अनमोल होता है अपनों का साथ

हालिया वर्षों में जिस तरह करीबी रिश्तों में दूरियां आने लगी हैं, वह सही नहीं है। परिवार में एक-दूसरे के प्रति प्रेम होना बहुत जरूरी है। प्रयास यही होना चाहिए, परिजनों के बीच आत्मीय जुड़ाव हमेशा बना रहे। पारिवारिक प्रेम हमें जीने की ताकत देता है, जिंदगी को आसान और खुशहाल बनाता है।

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

परिवार की खुशहाली सबसे बड़ा सुख होती है। अपनों के चेहरों पर खिली खुशी की रौनक हर उम्र के लोगों के लिए बहुत ही सुकून भरा एहसास होता है। मिल-जुलकर सुख के लम्हे जीने की बात हो या दुःख-तकलीफ साझा करने का भाव, हर परिस्थिति में अपनों का साथ अनमोल होता है। इस अपनेपन से हर मुश्किल आसान हो जाती है, सुख की उजास कई गुना बढ़ जाती है। बावजूद इसके हालिया बरसों में करीबी रिश्तों में भी दूरियां आने लगी हैं। साझेपन की यह सोच सिमट रही है। ऐसे में आम-सी बातों का खयाल, इस खास जुड़ाव को मजबूत बनाए रख सकता है।

स्नेहपगी सोच

परिवार के सदस्यों में एक-दूसरे के प्रति प्रेम का भाव होना सबसे जरूरी है। कहते हैं कि अपनों के जुड़ाव और जज्बातों में कोई मिलावट नहीं होती है। होनी भी नहीं चाहिए, क्योंकि बहुत कुछ बदल जाने के बावजूद रिश्तों की यही कड़ी सबसे अहम है। आपसी प्रेम है तो एक-दूसरे की संभाल-देखभाल से लेकर मन को समझने तक, सब कुछ किया जा सकता है। परिवार के सदस्यों के बीच अंतरंगता बनी रहती है। असल में देखा जाए तो स्नेह की बुनियाद पर ही रिश्तों के सारे भाव-चाव टिके होते हैं। स्नेह के खाद-पानी से ना केवल आपसी तालमेल का भाव पोषण पाता है, बल्कि पारिवारिक अपनेपन की सोच को भी बल मिलता है। जिससे परिवार के हर सदस्य को सुरक्षा, अच्छी सेहत और आत्मविश्वास की सौगात मिलती है। अपने परिजनों से प्रेम करना और उनका प्यार पाना हर मोर्चे पर जीवन को खुशहाल बनाता है। अध्ययन बताते हैं कि अपनों का प्यार मस्तिष्क में उन रसायनों को बढ़ावा दे सकता है, जो इंसान को आशावादी और खुश महसूस कराते हैं। यह खुशी और उम्मीद भरी सोच, तन-मन की सेहत सहेजने वाली होती है।

कहने-सुनने का परिवेश

इंसानी मन की भावना से लेकर व्यावहारिक व्यवहार-बर्ताव तक, सब कुछ संवाद की धुरी पर टिका होता है। कहने-सुनने का परिवेश परिवार के सदस्यों के स्वस्थ संबंधों का आधार होता है। बच्चे हों या बड़े, खुलकर राय दे पाने का माहौल पारिवारिक खुशहाली के लिए आवश्यक है। कुछ भी दबा-छुपा रखने के हालात एक ही परिवार में कई खांचे बना देते हैं। साथ होकर भी सब बंटे-बंटे से रहने लगते हैं। इसीलिए घर के हर सदस्य के लिए शिकायत, सराहना या सलाह देने का खुलापन होना चाहिए। आज के दौर में यह सहजता और आवश्यक हो चली है। समझाइश हो या स्नेह, बिना कुछ बताए, जताए अपनों तक कैसे पहुंच सकता है। इसीलिए कभी प्यार भरी बातें कहकर तो कभी गले लगाकर एक-दूसरे को साथ का भरोसा दिलाना जरूरी है। बच्चों के लिए तकलीफ में बड़ों की एक थपकी और बड़ों के लिए बच्चों का हाथ थामकर आश्वस्ति देना, रिश्तों को मजबूत बनाता है। इतना ही नहीं, ऐसे खुशहाल परिवेश में बच्चे अपनी बड़ी पीढ़ी से बहुत से लाइफ स्किल्स सीखते हैं तो बड़े भी बच्चों के साथ जिंदगी के जीवंत भावों से जुड़े रहते हैं।

रहें सकारात्मक

हमारे पारिवारिक परिवेश में दिखता है कि निंदा या आलोचना केवल पराए ही नहीं, अपने भी करते हैं। नकारात्मक रहकर स्थिति को ना समझने की गलती अपने भी कर बैठते हैं। बहुत से घरों में रिश्तों के बिखराव की बड़ी वजह यही नकारात्मक बर्ताव भी है। इससे समस्याएं सुलझने के बजाय उलझती हैं, विवाद बढ़ते हैं, शिकायतें बढ़ती हैं। साथ बैठकर हंसने-खिलखिलाने का माहौल नहीं बनने की जगह दूरियां बढ़ने लगती हैं। मतभेद बढ़ाने वाली बातों से परवाह का भाव कम होता है। ऐसे में सही समय और परिस्थिति देखकर आपसी गलफहमियों को दूर करना चाहिए। जरूरी हो तो स्पष्ट शब्दों में सवाल पूछकर अपनी शंका दूर करने का प्रयास होना चाहिए। हर औपचारिकता से परे परिवार के सदस्यों को एक-दूजे पर इतना अधिकार तो होता ही है। ऐसे हक दबदबा बनाने से नहीं बल्कि दिल खोलकर अपनी बात कहने से बनते हैं, जो कहीं ना कहीं परिवार की खुशहाली को बनाए रखते हैं।

आभासी सेतु के माध्यम से बनाए रखें जुड़ाव

बहुत से परिवारों में काम-काजी जरूरतों और दूसरे कई व्यावहारिक कारणों से घर के सभी सदस्यों का साथ रहना नहीं हो पाता। लेकिन सुखद यह है कि तकनीक के साथ ने जुड़े रहना आसान किया है। यह आभासी सेतु भी संबंधों के जुड़ाव को कायम रखने में मददगार है। इन माध्यमों के जरिए परिवारजन एक दूसरे के संपर्क में रहें, आत्मीयता बनाए रखें।

यों जुड़े रहें एकसाथ

परिवार के सदस्यों का एकसाथ बैठकर बात करना नहीं हो पाता, लेकिन समय-समय पर एक साथ जरूर होना चाहिए। त्योहार इसके लिए सबसे अच्छा अवसर है। परंपरागत उत्सव साथ मनाएं। छुट्टियों की प्लानिंग सभी का शेड्यूल देखते हुए करें ताकि साथ समय बिताया जा सके। साल में किसी खास अवसर पर मिलने का नियम बनाएं। एक ही शहर में हैं तो नियमित मिलते-जुलते रहें। किसी भी संकट या समस्या को लेकर दूर रह रहे अपनों से चर्चा जरूर करें। छोटे सदस्य हक से सलाह मांगें और बड़े अधिकारपूर्वक समझाइश दें ताकि जीवन की जरूरतें जुटाने के लिए दूर जा बसने के हालात दिलों में दूरियां ना ला पाएं।

बचपन में ही सिखाएं शिष्टाचार के गुण

बच्चे अपने माता-पिता से ही आचार-व्यवहार सीखते हैं। इसलिए अभिभावक बचपन में ही उन्हें सही आचरण करना सिखाएं। वे नैतिकता का पाठ तो सीखें ही, साथ ही सबके साथ शिष्टतापूर्ण व्यवहार करें, लोगों की भावनाएं समझें और संवेदनशील भी बनें।

बच्चे और आप
शीला श्रीवास्तव

बच्चा खाना-पीना, बोलना-चलना, सब कुछ अपने माता-पिता से ही सीखता है। बच्चे अपने परिवार में ही सद-व्यवहार, शिष्टाचार के गुण भी सीखते हैं। ये वो गुण हैं, जो बच्चे के व्यक्तित्व को बेहतर आकार देते हैं, समाज में उन्हें प्रभावशाली बनाते हैं। इसलिए जब आपका बच्चा थोड़ा बड़ा हो, बोलने-समझने लगे तो उसको हर वो सद्गुण सिखाएं, जो उसके व्यक्तित्व को प्रभावशाली बनाएं।

सच बोलना सिखाएं: सच या झूठ बोलना बच्चे अपने आस-पास के वातावरण और बड़ों से ही सीखते हैं। बच्चों को सच बोलना सिखाने के लिए आपको भी हर स्थिति में सच बोलना चाहिए। कुछ छोटे-मोटे झूठ हैं, जिन्हें आप नजरअंदाज करती हैं, उनसे बच्चे भी झूठ बोलना सीख जाते हैं। इसलिए झूठ बोलने से बचें। बच्चों को सच बोलने का महत्व समझाएं। जीवन की वास्तविक घटनाएं तो बच्चे समझ नहीं सकते, इसलिए कहानियों के जरिए सच बोलने के महत्व को बताएं। अगर बच्चे कभी गलती करते हैं या अपनी गलती आपको बताते हैं, तो इस पर उन्हें डांटे नहीं। आप डांटेंगी तो वे इससे बचने के लिए झूठ बोलना शुरू कर देंगे। बच्चों को प्यार से समझाएं कि वह यह गलती दोबारा ना करे।

सिखाएं भावनाओं की कद्र करना: दूसरों की भावनाओं की कद्र करना बचपन में ही सिखाना चाहिए। अगर माता-पिता में से कोई दुखी है तो बच्चे को इसका एहसास होना जरूरी है। कई बार जब अभिभावक बच्चों की मांग पूरी नहीं कर पाते, इसका कारण भी बच्चों को बताते हैं, फिर भी वे अपनी जिद पर अड़े रहते हैं। माता-पिता की भावनाओं की कद्र नहीं करते। आपकी और दूसरों की तकलीफ बच्चे समझ सकें, इसके लिए उन्हें तैयार करें।

माफ करना-माफी मांगना सिखाएं: अगर आपका बच्चा अपने भाई या बहन से झगड़ा करके और नाराज होकर एक तरफ बैठ जाए, तो उसे माफ करना और माफी मांगना भी सिखाएं। कुछ बच्चे सॉरी कहना नहीं जानते। बड़े होकर यही मुश्किल बन जाती है, क्योंकि ना वे माफी मांग पाते हैं और ना माफ कर पाते हैं। इसलिए उसे माफी मांगना सिखाएं। अगर आप कुछ गलत करते हैं तो बच्चे से माफी मांगे ताकि वह आपको देखकर सीखे। वहीं दूसरों को माफ करके आगे बढ़ने की शिक्षा दें।

बच्चों को संवेदनशील बनाएं: बच्चों को संवेदनशीलता के गुण सिखाएं। पौधे लगाना, उसकी देखभाल करना। रोज पानी डालना। साफ-सफाई रखना। मूक-प्राणियों के प्रति भी संवेदनशील बनाएं। चिड़ियों को दाना डालना भी सिखाएं। कहते हैं कि कोई व्यक्ति मूक प्राणी के साथ कैसे व्यवहार करता है, उससे समझ में आ जाता है कि वो इंसान कैसा है।

मानव सेवा और आध्यात्मिकता से जोड़ें: बच्चों को मानव सेवा और आध्यात्मिकता से भी जोड़ना चाहिए। मानव सेवा से बढकर कोई पूजा नहीं। बच्चों के मन में कभी किसी के प्रति द्वेष भावना ना भरें। बच्चों को नैतिकता की शिक्षा भी दें। नैतिक मूल्यों को समझाने हेतु बच्चों को पौराणिक कथाएं सुना सकती हैं, क्योंकि कहानियों का असर बच्चों पर ताउम्र रहता है।

चुनौती लेना सिखाएं

बच्चे जिन कामों को करने से डरते हैं, उन्हें उस काम को करने के लिए प्रेरित करें, प्रोत्साहित करें। इससे उनका डर खत्म हो जाएगा। उन्हें हर चुनौती का सामना करना सिखाएं। अगर बच्चा किसी काम को करने में डरता है, तो उसका डर दूर भगाएं, काम करने को कहें। अभ्यास करवाएं। अगर उससे कोई काम नहीं बन रहा है, वह उदास-परेशान हो रहा है तो उसे वह काम खुद पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करें। हारने का डर मन से निकालने को कहें। हार तो केवल एक नतीजा है, उससे प्रयास करना नहीं छोड़ना है, यह सिखाएं। बच्चों को अभी से चुनौतियों का सामना करना सिखाएंगे, तभी वे आगे बढ़ पाएंगे।

क्या बदलते मौसम में आप हो जाती हैं बीमार

हेल्थ केयर
निकिता चौहान

इन दिनों मौसम में बदलाव हो रहा है। ऐसे बदलाव से कुछ महिलाएं खुद को एडजस्ट नहीं कर पाती हैं। इस कारण उन्हें कई तरह की शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जैसे, खांसी-जुकाम होना, सुबह-शाम हल्का फीवर होना। इसके अलावा कुछ लोग मौसम के बदलने पर टेंपरेरी डिप्रेशन के शिकार भी हो जाते हैं। इन सभी प्रॉब्लम्स को सीजनल इफेक्टिव डिसऑर्डर कहा जाता है। आपको बता दे पुरुषों से ज्यादा महिलाएं इस समस्या का सामना करती हैं।

सीजनल इफेक्टिव डिसऑर्डर के कारण: एक्सपर्ट्स के अनुसार, महिलाओं में सीजनल इफेक्टिव डिसऑर्डर हार्मोनल चेंजेस के कारण होता है। दरअसल, उम्र के साथ हर महिला में हार्मोनल चेंजेस होते रहते हैं। इसके अलावा सर्दियों में सूरज की रोशनी कम होने से मस्तिष्क में सेरोटोनिन नामक हार्मोन कम मात्रा में बन पाता है। इस वजह से भी कई महिलाओं में थकान, डिप्रेशन और वजन बढ़ने के लक्षणों के साथ एंजायटी भी हो जाती है।

प्रमुख लक्षण: सीजनल इफेक्टिव डिसऑर्डर कई प्रकार के लक्षणों से पहचाना जा सकता है। सर्दी के शुरू होते ही लो या बिना वजह डिप्रेशन फील होना। नींद ना आना, एनर्जी की कमी महसूस करना, किसी काम में फोकस करने में परेशानी होना, बेवजह मन उचटा सा लगना, सुसाइडल थॉट आना, अकेले रहना, पूरा दिन थकान महसूस होना, सामान्य से ज्यादा भूख लगना, फिजिकल एक्टिविटी में कमी आना, वजन का बढ़ना सीजनल इफेक्टिव डिसऑर्डर की वजह से हो सकते हैं। इसके अलावा सीजनल इफेक्टिव डिसऑर्डर के कारण 18 से 30 वर्ष की उम्र के बीच की महिलाओं में पीरियड्स से जुड़े हार्मोंस में बदलाव आना और प्रेग्नेंसी के दौरान या उसके के बाद कई तरह के हार्मोनल बदलाव आ सकते हैं। साथ ही इससे हार्मोन इमबैलेंस, नींद ना आना और मूड स्विंग जैसी समस्याएं आ सकती हैं।

ट्रीटमेंट का तरीका: सीजनल इफेक्टिव डिसऑर्डर का इलाज आपके लक्षणों पर डिपेंड करता है। इसका इलाज दवाओं और बिहेवियरल थेरेपी से भी किया जा सकता है। इसके इलाज में डॉक्टर आपके साथ कॉग्नेटिव बिहेवियर थेरेपी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस थेरेपी में डॉक्टर नेगेटिव सोच को खत्म करके आपमें पॉजिटिव सोच बढ़ाने का प्रयास करते हैं। अच्छी डाइट, हेल्दी लाइफस्टाइल, रेग्युलर एक्सरसाइज और धूप लेने से लाभ होता है। इसके साथ अपनी रेग्युलर डाइट में पर्याप्त मात्रा में विटामिन डी लेने की सलाह भी डॉक्टर देते हैं।

(सीनियर कंसल्टेंट गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. रितु सेठी से बातचीत पर आधारित)

सॉफ्ट लिप्स के लिए होममेड लिप बाम

जाड़े के मौसम में ड्राय और क्रैक्ड लिप्स की समस्या से कई लोग परेशान रहते हैं। अगर आप भी इस सीजन में अपने लिप्स को सॉफ्ट और पिंक बनाए रखना चाहती हैं तो होममेड लिप बाम यूज कर सकती हैं। इन्हें आप आसानी से घर में बना सकती हैं।

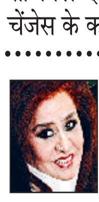

स्किन केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

हालांकि अभी कड़ाके की सर्दी शुरू नहीं हुई है लेकिन सुबह-शाम इसका एहसास होने लगा है। ऐसे में मौसम में बदलाव, वातावरण में नमी की कमी से होंठों के फटने की समस्या से कई लोग परेशान रहते हैं। आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ने पर यह समस्या और बढ़ेगी। दरअसल, होंठों की स्किन बाकी शरीर की स्किन से ज्यादा पतली और सॉफ्ट होती है और इसीलिए इस पर मौसम का असर जल्दी पड़ता है। इसीलिए इस मौसम में होंठों के कटने, फटने, शुष्क होने और खुरदुरे दिखने की दिक्कत बढ़ जाती है, इसलिए होंठों को सॉफ्ट बनाए रखने और सूखने से बचाने के लिए उनकी अच्छे से केयर करना बहुत जरूरी है। होंठों को गुलाबी और मुलायम रखने के लिए एक अच्छे लिप बाम का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। बाजार में मिलने वाले अधिकांश लिप बाम को बनाने में कई तरह के केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है, जो होंठों को ठीक करने के बजाय नुकसान पहुंचा सकते हैं। इनके यूज से कई बार होंठ काले भी पड़ने लगते हैं। ऐसे में अगर आप घर पर ही लिप बाम तैयार करें तो कहीं बेहतर परिणाम मिलेंगे।

ऐसे बनाएं घर पर लिप बाम

रोज-एलोवेरा जैल: इसे बनाने के लिए जरूरी सामग्री हैं 8 से 10 गुलाब की पंखुड़ियां, दो पीस विटामिन ई कैप्सूल, एक चम्मच कच्चा दूध और दो चम्मच एलोवेरा जैल। सबसे पहले गुलाब की पंखुड़ियों को धोकर मिक्सर ग्राइंडर में पीस लें। पंखुड़ियों के पेस्ट को कांच की कटोरी में निकालकर उसमें थोड़ा सा कच्चा दूध, विटामिन ई कैप्सूल का जेल और एलोवेरा जैल को मिला दें। इन सभी चीजों का मिश्रण अच्छे से स्मूद बनाकर पेस्ट को एयरटाइट कंटेनर में बंद करके फ्रीज में स्टोर करें। अगले दिन से आप लिप बाम का इस्तेमाल कर सकती हैं।

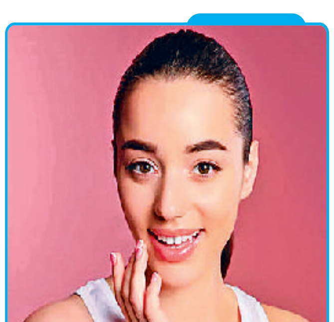

हनी-रोज लिप बाम: यह बाम बनाने के लिए गुलाब की पंखुड़ियां, 1 चमच्च शहद, 1 चम्मच पेट्रोलियम जैली और 1 चम्मच नारियल तेल की जरूरत होगी। गुलाब की पंखुड़ियों को धोने के बाद एक बर्तन में डाल कर एक कप पानी में अच्छी तरह पका लें। इसे छानकर एक कटोरी में निकल लें। अब गुलाब वाले पानी में शहद, पेट्रोलियम जैली और नारियल तेल मिला लें। जब यह स्मूद हो जाए तो इसे एक कंटेनर में डाल कर फ्रिज में रख लें। इसे आप 5-7 घंटे बाद ही इस्तेमाल कर सकती हैं।

बटर-रोज वाटर लिप बाम: इसे बनाने के लिए आपको चाहिए 1 चम्मच शिया बटर, 1 चम्मच कोकोआ बटर, 1 चम्मच नारियल तेल, आधा चम्मच शहद, कुछ बुंदें विटामिन ई तेल और गुलाब जल। छोटे कांच के कटोरे में शिया बटर, कोकोआ बटर और नारियल तेल को डालकर मिलाएं। अब इनको एक छोटे मेटलिक बर्तन में डालकर धीमी आंच पर पिघलने के लिए रखें। जब सारी सामग्री पिघल जाए तो मिश्रण को थोड़ी देर के लिए ठंडा होने दें, फिर इसमें शहद और विटामिन ई तेल डालकर अच्छे से मिला लें। आपका लिप बाम तैयार है। इसे किसी एयर टाइट कंटेनर में डाल कर फ्रिज में रख दें, कुछ समय बाद इस्तेमाल कर सकती हैं।

घी-शहद लिप बाम: लिप्स को सॉफ्ट बनाए रखने में घी और शहद का लिप बाम भी बहुत कारगर है। इसे बनाने के लिए एक बर्तन में तीन चम्मच देसी घी डालकर गैस पर धीमी आंच पर रख दें और जब घी पूरी तरह से पिघल जाए तो इसमें एक चम्मच शहद और डेढ़ चम्मच नारियल तेल मिला दें। जब यह पूरा पिघल जाए तो इस मिश्रण को एक जार में डाल कर ठंडा होने दें। ठंडा होने के बाद इसे एक कंटेनर में डाल कर फ्रिज में रख लें। दूसरे दिन से इसका यूज करें।

गप्पबाजी कीजिए रहिए तरोताजा

अगर आपसे कहा जाए कि गप्पबाजी से आप स्फूर्तिवान बनती हैं, आपकी कार्यकुशलता बढ़ती है, आप रचनात्मक होती हैं, तो आप शायद ये बातें नहीं मानेंगी, लेकिन शोध इस बात की पुष्टि करते हैं। इसके पीछे क्या वजहें हैं, गप्पबाजी कैसे हमारे लिए फायदेमंद साबित होती है, आप जरूर जानना चाहेंगी।

एडवाइस
मधु सिंह

यह अब किसी का माना हुआ ही नहीं बल्कि शोध की कसौटी में परखा हुआ सत्य है कि बेमतलब की यानी अनौपचारिक बातचीत करने से, जिसे हम गप्पबाजी भी कहते हैं, ना सिर्फ हम इससे तनावमुक्त होकर तरोताजा महसूस करते हैं बल्कि हममें खूब नए-नए विचार और कल्पनाएं भी आती हैं। इसलिए मनोवैज्ञानिक भी अब इस बात की तस्दीक करते हैं कि अगर अपने व्यक्तित्व को रचनात्मक बनाना है, तो हर महिला को थोड़ी गप्पबाजी भी करनी चाहिए। हम हर समय काम की बातें ही ना करें, बीच-बीच में बिना किसी काम की यानी बेमतलब की बातें भी करें। इससे हम रिलैक्स फील करेंगे, यह रिलैक्सेशन हमारे चेहरों को अतिरिक्त रूप से ग्लो देता है। इससे हमारी मांसपेशियां तरोताजा होती हैं, जिसका असर हमारे लुक में साफ दिखता है। जब हम ताजगी से भरे होते हैं, तो हमारी उम्र काफी कम लगती है। इस सबसे हमारी खूबसूरती और पर्सनालिटी खूब निखरती है। लेकिन आम जनजीवन में यही माना जाता है कि गप्पबाजी करना, खाली बैठे लोगों का काम है। वैसे यह भी सही है कि अगर हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में गप्पबाजी की तादाद काफी ज्यादा है, तो इससे हमें कई बार फायदे की जगह नुकसान होने लगते हैं। लेकिन दाल में नमक के बराबर यदि हमारी जीवनशैली का हिस्सा गप्पबाजी भी बनती है तो यह हमारे व्यक्तित्व में चार चांद लगा देती है। आइए जानते हैं, गप्पबाजी का हमारी समूची पर्सनालिटी में कैसे-कैसे असर पड़ता है।

निखरती है कार्यकुशलता: अगर हमारी जीवनशैली में गप्पबाजी का संतुलित हिस्सा मौजूद है तो इससे हमारी कार्यकुशलता निखरती है। हम जो कुछ भी करते हैं, उसमें एक कुशलता नजर आती है, क्योंकि तब हम कोई काम मन से तरोताजा होकर कर रहे होते हैं। यही वजह है कि गप्प मारना ना सिर्फ हमारी सेहत के लिए अच्छा है, यह हमारी कार्यकुशलता भी बढ़ाती-निखारती है।

शरीर में आती है स्फूर्ति: पूरे दिन में कम से कम एक दो बार दस-दस मिनट की अगर हम गप्पबाजी कर लेते हैं तो दिनभर का मानसिक तनाव दूर हो जाता है। इससे मानसिक थकान भी मिट जाती है। नतीजतन हम अपने आपको तरोताजा महसूस करते हैं। इससे हमें शरीर में एक खास तरह की स्फूर्ति महसूस होती है, मूड फ्रेश रहता है। इस तरह देखें तो गप्पबाजी हमारे लिए मूड रिफ्रेशर का भी काम करती है। चूंकि गप्प मारने में हमें खूब मजा आता है। इसके चलते हमारे इर्द-गिर्द का माहौल हल्का-फुल्का हो जाता है। इसलिए हम गप्प मारकर पूरी तरह से तनावमुक्त रहते हैं। आमतौर पर महिलाएं पुरुषों के मुकाबले 20 से 25 फीसदी कम तनाव का शिकार होती हैं। मानसिक परेशानियां भी उनमें पुरुषों के मुकाबले काफी कम पाई जाती हैं। इसकी वजह यही है कि महिलाएं दिन में कभी भी मौका मिलते ही गप्पबाजी से नहीं चूकती हैं।

बढ़ती है हाजिरजवाबी: अगर हमारे व्यक्तित्व में संतुलित मात्रा में गप्पबाजी मौजूद है, तो हम उन लोगों के मुकाबले कहीं ज्यादा हाजिरजवाब होते हैं, जो गप्पें नहीं मारते। गप्पें मारने से हमारी कार्यक्षमता तो बढ़ती ही है, हममें हाजिरजवाबी की भरपूर कुशलता भी आ जाती है। बेहद गंभीर लड़कियां कितनी ही खूबसूरत हों, लेकिन चुलबुली लड़कियां उनके मुकाबले बाजी मार लेती हैं, क्योंकि चुलबुलापन का एक हिस्सा गप्पबाजी से ही बनता है। कुल मिलाकर गप्पबाजी करने से हम तरोताजा महसूस करते हैं।

क्रिएटिव फील्ड की जान है गप्पबाजी

अगर आप लेखिका हैं, पत्रकार हैं और आपके स्वभाव में गप्पबाजी भी शामिल है, तो समझ लीजिए आप सोने में सुहागा हैं। क्योंकि संतुलित गप्पबाजी ना सिर्फ अच्छा लेखक और पत्रकार बनाती है बल्कि इससे सोचने-समझने की क्षमताओं में भी विस्तार होता है। अगर आप किसी ऐसे क्षेत्र में कार्यरत हैं, जो पब्लिक डीलिंग का क्षेत्र है, तब तो समझ लीजिए कि यह गप्पबाजी आपको आपके काम में माहिर ही नहीं, ग्राहकों के बीच लोकप्रिय भी बनाती है। आपकी गप्पबाजी की आदत के चलते लोग आपकी इज्जत भी करते हैं और रेस्पॉन्स भी देते हैं।

लखनऊ में खुलेगी देश की पहली नाइट सफारी

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को ऐलान किया है कि दिसंबर 2026 तक उत्तर प्रदेश देश को पहली नाइट सफारी का उपहार देगा। राजधानी लखनऊ में बनने जा रही यह नाइट सफारी देश और दुनिया के प्रकृति प्रेमियों के लिए एक नया गंतव्य होगा। यह दुनिया की पांचवीं नाइट सफारी होगी। मुख्यमंत्री के समक्ष मंगलवार को उनके सरकारी आवास पर उच्चस्तरीय बैठक में प्रस्तावित कुकरैल नाइट सफारी पार्क एवं जू का प्रस्तुतिकरण किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माण कार्य हर हाल में जून 2026 तक पूरा कर लिया जाए। नाइट सफारी व जू के लिए वन्य जीवों के लाने की समुचित व्यवस्था प्रारंभ कर दी जाए। नाइट सफारी व जू की इकोनामी के लिए सस्टेनेबल मॉडल विकसित किया जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 72 फीसदी एरिया में ग्रीनरी विकसित की जाए और यहां सौर ऊर्जा को प्रकल्पों को भी स्थान दिया जाए।

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना है नाइट सफारी

सीएम योगी ने कहा कि नाइट सफारी प्रोजेक्ट राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसके निर्माण के लिए केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, नई दिल्ली से अनुमति प्राप्त हो गई है। जनसंख्या की दृष्टि से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में दिसंबर 2026 में देश को पहली नाइट सफारी का उपहार मिलेगा। नाइट व डे सफारी का निर्माण चरणबद्ध रूप से होगा। लखनऊ में यह लगभग 900 एकड़ से अधिक में फैली होगी।

जानवरों को चिह्नित करने, यहां लाने व क्वारंटीन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाए- योगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि जानवरों को चिह्नित करने, यहां लाने व क्वारंटीन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाए। कुकरैल नाइट सफारी परियोजना के अंतर्गत ईको टूरिज्म जोन भी विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के प्रकल्पों को स्थान दिया जाए। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिया कि यहां क्वारंटीन सेंटर, वेटनरी हॉस्पिटल, पोस्ट ऑपरेशन व ऑपरेशन थियेटर की भी समुचित व्यवस्था हो। यहां कैफेटेरिया, 7 डी थियेटर, ऑडिटोरियम, पार्किंग आदि की भी सुविधा हो।

उन्होंने कहा कि एडवेंचर जोन के तहत सुपरमैन जिपलाइन, आर्चरी, जिप लाइन, बुरमा ब्रिज, पैडल बोट, स्काई रोलर, फाउंटेन, किड्स एक्टिविटी के लिए जंगल एनिमल थीम, स्काई साइकिल आदि विकसित किया जाए। डे सफारी का विस्तार दूसरे चरण में होगा। बैठक में प्रदेश सरकार के वन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, शासन व वन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

नाइट-डे सफारी की होगी यह विशेषता

1. नाइट सफारी क्षेत्र में इंडियन वॉकिंग ट्रे, इंडियन फुटहिल, इंडियन वेटलैंड, एरिड इंडिया व अफ्रीकन वेटलैंट की थीम पर विकसित किए जाने वाले क्षेत्र मुख्य आकर्षण होंगे।
2. पर्यटकों द्वारा नाइट सफारी पार्क के अवलोकन हेतु 5.5 किमी. ट्रामवे तथा 1.92 किमी. का पाथवे माध्यम से किया जाएगा।
3. नाइट सफारी में मुख्यतः एशियाटिक लॉयन, घड़ियाल, बंगाल टाइगर, उड़न गिलहरी, तेंदुआ, हॉयना आदि मुख्य आकर्षण होंगे।
4. कुकरैल नााइट सफारी परियोजना के अंतर्गत विश्व स्तरीय वन्य जीव चिकित्सालय व रेस्क्यू सेंटर का निर्माण भी प्रस्तावित है।
5. कुकरैल वन क्षेत्र में स्थापित होने वाले जू में कुल 63 इनक्लोजर बनाए जाएंगे।
6. जू में सारस क्रेन, स्वांप डियर, हिमालयन भालू, साउथ अफ्रीकन जिराफ, अफ्रीकन लॉयन व चिंपाजी मुख्य आकर्षण होंगे।
7. जू को अफ्रीकन सवाना, इनक्रेडिबल इंडिया, इंजीनियर्ड वेटलैंड नामक थीम क्षेत्रों पर विकसित किया जाएगा।

अब श्रीभूमि के नाम से जाना जाएगा असम का करीमगंज जिला : हिमंत बिस्वा सरमा

एजेंसी

नई दिल्ली, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को घोषणा की कि राज्य कैबिनेट ने करीमगंज जिले का नाम बदलकर 'श्रीभूमि' करने का फैसला किया है। हिमंत बिस्वा सरमा ने एक्स पर लिखा कि 100 से अधिक साल पहले, कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर ने असम में आधुनिक करीमगंज जिले को 'श्रीभूमि'- मां लक्ष्मी की भूमि के रूप में वर्णित किया था। आज असम कैबिनेट ने हमारे लोगों की इस लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा कर दिया है। कैबिनेट के फैसलों पर जानकारी देते हुए असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि असम कैबिनेट ने आज असम निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने का फैसला किया है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अपनी सहमति दे दी है।

किसानों ने 6 दिसंबर से दिल्ली चलो मार्च का किया ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली, किसान मजदूर मोर्चा और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) ने सोमवार को घोषणा की कि वे अपनी लंबे समय से लंबित मांगों के समर्थन में 6 दिसंबर को नई दिल्ली तक शांतिपूर्ण मार्च शुरू करेंगे। चंडीगढ़ के किसान भवन में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, किसान नेताओं ने कहा कि पंजाब में हरियाणा और राजस्थान के रत्नपुर के साथ शंभू और खनौरी सीमाओं पर किसानों का धरना सोमवार को 280 दिन पूरे कर चुका है, लेकिन केंद्र की सरकार ने किसानों और खेत मजदूरों की मांगों को पूरा करने से इनकार कर दिया है। 13 फरवरी को तीन स्थानों पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था, जब किसानों और खेत मजदूरों ने अपना दिल्ली चलो मार्च शुरू किया था, लेकिन उन्हें हरियाणा सीमा पर रोक दिया गया था। किसान मजदूर संघर्ष समिति (केएमएससी) के प्रमुख जगजीत सिंह डल्लेवाल ने घोषणा की कि वह 26 नवंबर को अनिश्चितकालीन उपवास पर बैठेंगे और अगर मांगें पूरी नहीं हुईं या सरकार बातचीत के लिए आगे नहीं आई, तो दिल्ली तक मार्च शुरू किया जाएगा।

मौसम

अधिकतम तापमान 33.c

न्यूनतम तापमान 24.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 81,634.72

निफटी 25,013.85

संक्षिप्त समाचार

सावरकर मानहानि मामले में राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ी

- 2 दिसंबर को पुणे कोर्ट में पेश होने का समन

एजेंसी

नई दिल्ली, पुणे में संसद सदस्यों, विधानसभा सदस्यों (एमपी/एमएलए) के लिए एक विशेष अदालत ने एक आदेश पारित किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को स्वतंत्रता सेनानी और हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर को कथित रूप से बदनाम करने के उनके खिलाफ मामले के संबंध में 2 दिसंबर, 2024 को व्यक्तिगत रूप से पेश होना चाहिए।

राहुल गांधी को 2 दिसंबर को पुणे कोर्ट में पेश होने का समन

पुणे की एक अदालत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को हिंदुत्व के प्रतीक वीडी सावरकर के पोते द्वारा उनके खिलाफ दायर मानहानि की शिकायत के संबंध में 2 दिसंबर को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया। सत्यकी सावरकर ने पुणे की एक अदालत में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें दावा किया गया था कि गांधी ने मार्च 2023 में लंदन में अपने भाषण में कहा था कि सावरकर ने एक किताब में लिखा है कि उन्होंने और उनके पांच-छह दोस्तों ने एक बार एक मुस्लिम व्यक्ति की पिटाई की थी और उन्हें (सावरकर को) खुशी हुई थी। याचिका के अनुसार, सावरकर ने ऐसा कहीं नहीं लिखा है।

मणिपुर में कुकी उग्रवादियों की अब खैर नहीं

आरएसएस ने भी राज्य के हालात पर गंभीर चिंता जताई

एजेंसी

मणिपुर, मणिपुर की स्थिति पर केंद्र सरकार लगातार निगाह बनाये हुए है साथ ही राज्य सरकार को साफ निर्देश दिये हैं कि उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाये। इस काम में राज्य सरकार की मदद के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल भी भेज दिये गये हैं। आरएसएस ने भी केंद्र और मणिपुर सरकार से कहा है कि शांति व्यवस्था को जल्द से जल्द कायम किया जाना चाहिए। इस बीच, राज्य सरकार ने जिरीबाम मामले की जांच के लिए एक समिति गठित कर दी है ताकि लोगों का आक्रोश कुछ शांत हो। इसके अलावा

एनपीपी की ओर से मणिपुर सरकार से समर्थन वापस लिये जाने के बाद एनडीए विधायकों की बैठक हुई जिसमें राज्य सरकार का मजबूती से समर्थन करने का संकल्प दोहराया गया और कुकी उग्रवादियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान शुरू करने पर सहमति बनी।

हम आपको बता दें कि मणिपुर में सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के विधायकों की एक बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें जिरीबाम जिले में तीन महिलाओं और तीन बच्चों की हत्या के लिए जिम्मेदार कुकी उग्रवादियों के खिलाफ सात दिन में बड़े पैमाने पर अभियान चलाने का आह्वान किया गया। हम आपको बता दें कि सोमवार रात को हुई इस बैठक में 27 विधायकों ने भाग लिया।

मेडिकल इमरजेंसी की चपेट में उत्तर भारत

सो रहे देश के पर्यावरण मंत्री : गोपाल राय

एजेंसी

नई दिल्ली, दिल्ली का प्रदूषण गंभीर स्थिति में है। वहीं, पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने भाजपा औक केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। गोपाल राय ने कहा कि प्रदूषण की गंभीर स्थिति को लेकर आपातकालीन बैठक बुलाने के संबंध में दिल्ली सरकार के लगातार अनुरोध के बावजूद भाजपा के पर्यावरण मंत्री सो रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से एक बार फिर प्रदूषण पर आपात बैठक बुलाने और कृत्रिम बारिश की अनुमति देने का अनुरोध करता हूं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हस्तक्षेप करना चाहिए, कार्रवाई करना उनकी नैतिक जिम्मेदारी है तथा केंद्र को प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए कदम उठाने चाहिए। गोपाल राय ने कहा कि ग्रैप को पूरे उत्तर भारत में लागू किया जाना चाहिए,

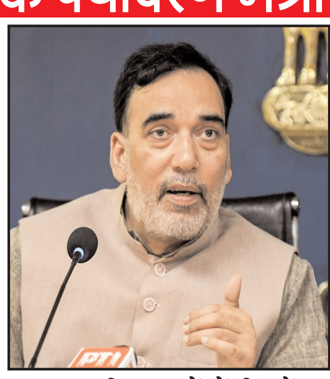

भाजपा शासित राज्यों में नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम लगातार काम कर रहे हैं। हमने इर-क्क्कपेट्रोल चार पहिया वाहनों, इर-क्ष डीजल वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया है। बाहर से आने वाले सभी ट्रक, डीजल बसों पर रोक लगा दी गई है. 10वीं और 12वीं के लिए भी स्कूल बंद कर दिए गए हैं. तीसरा, कार्यालयों के लिए समय अलग-अलग कर दिया गया है। रही बात वर्क फ्रॉम होम की तो हम उस पर भी काम कर रहे हैं। जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। हम उस पर अमल भी करेंगे। आप नेता ने कहा कि हम उन सभी चीजों पर काम कर रहे हैं जो हमारे हाथ में हैं और हम ऐसा करना जारी रखेंगे। हम केंद्रीय पर्यावरण मंत्री के साथ एक आपात बैठक की मांग कर रहे हैं ताकि हम जमीन पर सभी कार्रवाई कर सकें। हम ऑड-ईवन पर भी चर्चा कर रहे हैं लेकिन अब एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि हमने इतनी पाबंदियां लगा दी हैं, लोग अब विचार कर रहे हैं कि इसका कितना असर होगा। उन्होंने कहा कि पूरा उत्तर भारत मेडिकल इमरजेंसी की चपेट में है। राय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार को इस तरह से देश के लोगों की जान खतरे में डालने का अधिकार नहीं है। इस पर काम करना होगा. दिल्ली सरकार अपने स्तर पर जो भी काम कर सकती है, कर रही है।

महाराष्ट्र चुनाव : विनोद तावड़े के बचाव में उतरी भाजपा, विपक्ष पर लगाया उन्हें बदनाम करने का आरोप

एजेंसी

मुंबई, महाराष्ट्र चुनाव को लेकर कल वोट डाले जाने हैं। मंगलवार को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े पर नकदी बांटने का आरोप लगने के बाद एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। ये आरोप बहुजन विकास अघाड़ी (बीवीए) नेता हितेंद्र ठाकुर ने लगाए। उन्होंने तावड़े पर महाराष्ट्र के पालघर जिले के विरार स्थित विवांता होटल में मतदाताओं को लुभाने के लिए नकदी बांटने का आरोप लगाया था। विनोद तावड़े ने इसको लेकर पूरी सफाई दी है। वहीं, भाजपा अब विनोद तावड़े के बचाव में उतर चुकी है। बीजेपी सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि महाराष्ट्र में, एमवीए द्वारा अंतिम प्रयास के रूप में एक निराधार आरोप लगाया गया है। विनोद तावड़े हमारे राष्ट्रीय सचिव हैं और पार्टी के कई कार्यों की देखरेख कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार ने उनसे बैठक में भाग लेने के लिए कहा। वो पास से गुजर रहा था तो मान गया. ऐसी बैठकें पार्टी कार्यकताओं को मतदान प्रक्रिया के संबंध में निर्देश देने के लिए की जाती हैं। हमारा आग्रह है कि होटल और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी की जांच की जाए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि 5 करोड़ रुपये जेब में नहीं लाये जा सकते। अगर कोई इसे ले जा रहा होगा तो यह दिखाई देगा। उन्हें सबूत दिखाना चाहिए न कि बेबुनियाद आरोप लगाना चाहिए। महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले ने कहा कि आज, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव, विनोद तावड़े जी नालासोपारा में स्थानीय पार्टी कार्यकताओं के साथ बैठक कर रहे थे ताकि उन्हें कल के लिए क्या करें और क्या न करें के बारे में समझाया जा सके।

संसद के शीतकालीन सत्र को लेकर सरकार ने शुरू की तैयारी

- रविवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को घोषणा की कि सरकार संसद के शीतकालीन सत्र से पहले 24 नवंबर को संसदीय सौध में एक 'सर्वदलीय बैठक' आयोजित करेगी। एक्स को संबोधित करते हुए, रिजिजू ने कहा कि संसद के आगामी शीतकालीन सत्र के मद्देनजर 24 नवंबर को सुबह 11 बजे मुख्य समिति कक्ष, संसदीय सौध में एक सर्वदलीय बैठक आयोजित की जाएगी। इससे पहले रिजिजू ने कहा था कि शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होगा और 20 दिसंबर तक चलेगा। रिजिजू ने कहा था कि भारत सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने शीतकालीन सत्र, 2024 के लिए संसद के दोनों सदनों को 25 नवंबर से 20 दिसंबर, 2024 तक बुलाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

मलयालम अभिनेता सिद्दीकी को सुप्रीम कोर्ट से राहत

नई दिल्ली, सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मलयालम अभिनेता सिद्दीकी को एक अभिनेत्री द्वारा 2016 की घटना में उनके खिलाफ दर्ज कथित यौन उत्पीड़न के मामले में अग्रिम जमानत दे दी। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि अनुभवी अभिनेता को अपना पासपोर्ट जमा करना होगा और जांच में जांच अधिकारी के साथ सहयोग करना होगा। यह शिकायत न्यायमूर्ति हेमा आयोग की रिपोर्ट का नतीजा थी, जिसमें मलयालम सिनेमा में महिला कलाकारों द्वारा सामना किए जाने वाले यौन उत्पीड़न और भेदभाव का विवरण दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले में शिकायत 2016 में हुई कथित घटना के आठ साल बाद अगस्त में दर्ज की गई थी। 30 सितंबर को अदालत ने सिद्दीकी को मामले में गिरफ्तारी से अंतरिम राहत दी थी। केरल पुलिस ने सिद्दीकी की ओर से जांच में सहयोग की कमी का आरोप लगाया है। केरल पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने अपनी स्थिति रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि दिग्गज अभिनेता जांच में बाधा डाल रहे हैं

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष
ग्राम - प.ह.न.

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अखिलेश्वर राजवाड़े पिता बोधी राजवाड़े जाति रजवार निवासी ग्राम सिरसी प.ह.न. 14 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के ड्ट पुत्र / पुत्री कु० संध्या राजवाड़े आ अखिलेश्वर राजवाड़े का जन्म दिनांक 14/9/2016 को ग्राम. ..में हुई है. अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र/पुत्री कु 0 संध्या राजवाडे आ अखिलेश्वर राजवाड़े का जैन पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत सिरसी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है जिसके संबंध में प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।. अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 25/11/24 तक अपना आपत्तिं इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।आज दिनांक जारी किया गया। 20/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया

कार्यपालिक दंडाधिकारी भैयाथान जिला सूरजपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला- सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र0202411021700025/ ब-121/2023-24

//इश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुनील ओझा आ० देवेन्द्र ओझा, निवासी ग्राम सरगवां, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम सरगवां स्थित भूमि खसरा नंबर 44/5 रकबा 0.350 हे0 में से 80 डिसमिल भूमि अपने भरण पोषण एवं ईलाज हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदक सुब्रत सरदार आ० रामलाल सरदार, निवासी ग्राम सरगवां, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) को रू6,00,000/- (छः लाख रुपए) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 06/12/2024 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 19/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से

नायब तहसीलदार, अम्बिकापुर-02

न्यायालय नायब तहसीलदार रा.नि. मंडल अम्बिकापुर-3 के न्यायालय मे मामला क्रमांक: 202411022900010/

मामले की श्रेणीः- राजस्व

सनः- 2024-2025

विषयः- अ-6

मायापुर (प ह न. 00014),

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार बिरेन्द्र कुमार सोनी,

अनावेदक पक्षकार -लालमोहन.

ईश्तहार

आवेदक बिरेन्द्र कुमार सोनी आ० स्व० लालमोहन सोनी अन्य 2 सभी निवासी मायापुर तहसील अम्बिकापुर के द्वारा ग्राम मायापुर स्थित भूमि खसरा नम्बर 26/1, 27. 29, 30/1 कुल 04 प्लाट का वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 12.12.2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 18/11/2024 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-03

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना
(निर्माण संगठन)

निविदा क्र.: सी.ई.सी/बी.एस.पी./24-25/12, दिनांक : 08.11.2024

(ओपन-टेंडर) (टू पैकेट सिस्टम)

कार्य: दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे के बिलासपुर डिविजन की अनुपपुर - कटनी तीसरी लाइन के निर्माण - के संबंध में ए.पी.आर.(इन) - ए.ए.एल(इन), एस.एन.जी.पी.(इन)-एम.डी.एक्स.आर.(एक्स), एल.ओ.ए. (इन).- सी.एच.डी. (एक्स) के मध्य बचा हुआ कार्य जैसे साइड ड्रेन, रिटेयनिंग वाल / टो वाल, सैस रिपेयर, पीचिंग कार्य, अर्थ वर्क, अतिरिक्त दृश्यता के लिए अतिरिक्त चौड़ीकरण में मिट्टी का कार्य, ड्रेन से गाद हटाना, पी. वे मरम्मत कार्य और अन्य संबद्ध विविध कार्यों के निष्पादन सहित संबन्धित विभिन्न कार्य के हेतु। **निविदा मूल्य:** रु. 24,40,48,565.40/- **अमानत राशि:** रु. 13,70,300.00/- **निविदा दस्तावेज़ की लागत:** शून्य। **कार्य पूरा होने की अवधि** : 12 (बारह) माह, स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की तिथि से।
निविदा बंद होने का समय एवं दिनांक : 30/11/2024 को 12:00 बजे तक। **निविदा खोलने का समय एवं दिनांक** : 30/11/2024 को 12:30 बजे।

विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) / दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर - पिन - 495004 अथवा उप- मुख्य अभियंता /निर्माण/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर -पिन : 492009 अथवा मुख्य परियोजना प्रबन्धक / पश्चिम / निर्माण /नागपुर / दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर पिन: 440001 के कार्यालय में संपर्क करे अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है उसे डाउनलोड कर देख सकते है।

उप-मुख्य अभियंता/निर्माण
सीपीआर/**10/AM/332** **द.पू.म.रेलवे / बिलासपुर**

South East Central Railway @secrail

कार्यालय पंजीयक लोक न्यास अनुविभाग अम्बिकापुर सरगुजा (छ०ग०)

प्ररुप-चार
(नियम 5(1) देखिए)

छत्तीसगढ़ लोक न्यास अधिनियम 1951 (1951 का 30) की धारा 5 की उपधारा (2) तथा छत्तीसगढ़ लोक न्यास नियम 1962 के नियम 5 का उप नियम (1) देखिए।

अम्बिकापुर दिनांक 18/11/2024

कमांक 5707/वाचक-1/2024 यह की डॉ. रवीन्द्र कुमार पाठक आ० स्व. रामशंकर पाठक, उम्र-64 वर्ष निवासी एम.आई.जी.-87 हाउसिंग बोर्ड कालोनी गया जिला-गया (बिहार) हाल मुकाम वार्ड नंबर-24 मकान नंबर-224 भट्ठी रोड, गीता पब्लिक स्कूल के पास केदारपुर अंबिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) ने छ०ग० लोक न्यास अधिनियम 1951 (1951 का 30) की धारा 4 के अधीन अनुसूची मे लोक न्यास की तरह विनिर्दिष्ट की गई सम्पत्ति के पंजीयन के लिए आवेदन किया है। एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि आवेदन मेरे न्यायालय में दिनांक 19/12/2024 को विचार के लिए लिया जाएगा।अतः मै फागेश सिन्हा, अनुविभाग अम्बिकापुर के लोक न्यासों के पंजीयक अपने न्यायालय मे दिनांक 19/12/2024 को उक्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) में अपेक्षित जांच करना प्रस्तावित करता हूँ।अतः एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त न्यास या सम्पत्ति का कोई न्यासधारी या कार्यकारी न्यासधारी या उसमें हित रखने वाले और किसी मत या सुझाव प्रस्तुत करने का विचार रखने वाले व्यक्ति को इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से एक माह के भीतर दो प्रतियों में लिखित कथन प्रस्तुत करें और मेरे न्यायालय मे समक्ष मे उपरोक्त दिनांक को या तो व्यक्तिशः या अभिभाषक या अभिकर्ता के द्वारा उपस्थित होना चाहिए। उपरोक्त अवधि समाप्त होने के पश्चात प्राप्त आपत्तियों को विचार के लिए ग्रहण नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

(लोक न्यास का नाम पता व सम्पत्ति का विवरण)

1. लोक न्यास का नाम व पता

पता-वार्ड नं.-24 मकान नंबर-224 भठ्ठी रोड गीता पब्लिक स्कूल के पास केदारपुर अम्बिकापुर तहसील-अंबिकापुर

2. जिला सरगुजा निरंक

3. चल सम्पत्ति निरंक

4. अचल सम्पत्ति निरंक

जारी दिनांक 18/11/2024

"योगमाया न्यास"

(फागेश सिन्हा) पंजीयक लोक न्यास

अनुविभाग अम्बिकापुर अम्बिकापुर

कल के भविष्य हैं बच्चे ये सुरक्षित हैं तो हमारा भविष्य भी है सुरक्षित : मनोज

रामानुजनगर महाविद्यालय व कन्या माध्यमिक विद्यालय में हुआ बाल विवाह और बाल संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के रामानुजनगर स्थित महाविद्यालय एवं क. उ. मा. विद्यालय में बाल विवाह और बाल संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देश, जिला कार्यक्रम अधिकारी रमेश साहू के मार्गदर्शन में जिले में बाल विवाह और बाल संरक्षण के विभिन्न विषयों पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। यूनिसेफ़ और महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बाल विवाह और बाल संरक्षण के महत्वपूर्ण विषयों पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों को बाल विवाह की हानियों और बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। ज़िला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल ने विद्यार्थियों को बताया कि बच्चे ही कल के भविष्य हैं, ये सुरक्षित हैं तो हमारा भविष्य भी सुरक्षित है, पॉक्सो एक्ट में बच्चों को लैंगिक अपराध से बचाने के लिए प्रावधान दिये गये हैं, बच्चों को गलत तरीके से

घूरना, पीछा करना, रास्ता रोकना, ग़लत चित्र दिखाना, गलत तरीके से छुना भी अपराध है, गुड टच बैड टच के बारे भी विस्तृत जानकारी दी गई, पॉस्को से बचने के लिए चार चीज़ो के बारे में बताया गया नो- मतलब विरोध करना, गो- मतलब भागना, टेल-मतलब बोलना, इसके बारे में बताया गया। सोशल मीडिया के उपयोग कितना करना है सोशल मीडिया माध्यम से होने वाले साइबर क्राइम से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी। इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए इसके बारे जानकारी दी गई , घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 के बारे जानकारी दी गई ,जेजे एक्ट में बच्चों को नशे से बचाने के लिए नए प्रावधान दिये गये हैं जिसमें धारा 77 और 78 यदि कोई बच्चे को नशा कराता है या नशे का समान बेचता है उसे एक लाख रुपये जुर्माना व दो वर्ष के सजा का प्रावधान है, चुप्पी तोड़ो गतिविधि से बच्चो को बोलने के लिये प्रेरित किया गया। जायसवाल ने चाइल्ड हेल्प लाइन नंबर 1098,181,112 एवं साइबर क्राइम और नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियानों के बारे में जानकारी दी।

यूनिसेफ़ के ज़िला समन्वयक प्रथमेश मानेकर ने विद्यार्थियों के साथ बाल विवाह मुक्त सूरजपुर अभियान पर जानकारी दी। इस कार्यक्रम में बाल विवाह की परिभाषा, इसके कारण, नकारात्मक प्रभाव और रोकथाम के उपायों पर विस्तार से चर्चा की इसके साथ भी शाला त्यागी बच्चों, बच्चों की सही परवरिश बच्चों के अधिकार और सोशल मीडिया के प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को बाल विवाह रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने की प्रेरणा दी और उने बाल विवाह रोकने के एम्बेसडर कहा। चाइल्ड लाइन से शीतल सिंह ने चाइल्ड लाइन की सेवाओं के बारे में जानकारी दी और 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 181 महिला हेल्पलाइन और 100 पुलिस हेल्पलाइन जैसी टोल-फ्री सेवाओं की जानकारी साझा की। सखी सेंटर से केंद्र प्रशासक विनीता सिन्हा द्वारा सखी वन स्टॉप सेंटर के बारे बताया इसमें सभी प्रकार की हिंसा से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को एक ही स्थान पर अस्थायी आश्रय, पुलिस-डेस्क, विधि सहायता, चिकित्सा एवं काउन्सलिंग की सुविधा वन स्टॉप सेन्टर में उपलब्ध होती है। एक ही छत के नीचे हिंसा से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को एकीकृत रूप से सहायता एवं सहयोग प्रदाय करता है इसके बारे में विस्तार से बताया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्य आर. के. साहू, प्राचार्य प्रजापति कन्या विद्यालय रामानुजनगर, चाइल्ड हेल्पलाइन से कु.शीतल सिंह परामर्शदाता, आउटरीच वर्कर पवन दीवान, विद्यालय से सभी शिक्षक, शिक्षिका वर्ग एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

अवैध भंडारण कर रखा गया 2 सौ क्विंटल धान जप्त

राजस्व, खाद्य व मंडी की संयुक्त टीम ने की कार्यवाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस.जयवर्धन के निर्देश पर जिले में अवैध धान के भंडारण, परिवहन व बिक्री पर रोक लगाने के लिए निरीक्षण दल का गठन किया गया है। जो जिले के कोचियों-बिचौलियों के गोदामों के साथ-साथ सभी संदिग्ध स्थान पर सतत् नज़र रखे हुए हैं और लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। जिसके परिणाम स्वरूप बुधवार को राजस्व, खाद्य व मंडी की संयुक्त टीम के द्वारा अवैध धान भंडारण को लेकर एक और बड़ी जब्ती की कार्यवाही की गई है। बताया गया है कि ग्राम गोविंदपुर में सत्यम नाम के व्यक्ति ने अपने निवास में लगभग 6 सौ बोरी धान का भंडारण किया हुआ था। सूचना मिलने पर जब संयुक्त टीम वहां पहुंची तो उन्हें 200 बोरी सूखा धान वहाँ प्राप्त हुआ। जब उन्होंने संबंधित व्यक्ति से उसके धान के रकबे के सम्बंध में जानकारी ली तो पाया गया कि उसकी जमीन 0.160 हैक्टेयर है और उसके द्वारा मंडी से बिना लाईसेंस लिये धान की खरीदी की जा रही है। संयुक्त टीम के द्वारा प्रकरण बनाकर अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रस्तुत किया गया है जिसमें मंडी अधिनियम के तहत आगे की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

महाविद्यालय के सांसद प्रतिनिधि बने संजू

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां के शासकीय रेवती रमन महाविद्यालय में

जनभागीदारी समिति हेतु सांसद चिंतामणि महाराज ने प्रतिनिधी का मनोनयन करते हुए संजू सोनी को अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है। भाजयुमो नेता संजू सोनी की इस नियुक्ति से उनके समर्थकों में हर्ष का माहौल है।

गांजा के अवैध व्यापार में संलिप्तता पर गिरफ्तार किया गया 1 और आरोपी, पूर्व में दो आरोपी किये जा चुके है गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। एसएसपी प्रशांत ठाकुर के निर्देश पर जिले के थाना-चौकी की पुलिस अवैध कारोबार पर लगातार कार्यवाही करने में लगी हुई है और नशे के धंधे में संलिप्त लोगों की धरपकड़ कर रही है। पूर्व में 4 नवम्बर को बसदेई पुलिस ने रेलवे स्टेशन सूरजपुर रोड के गाड़ी पार्किंग से करमबीर कुमार पाटिल उर्फ छोटू से 1 लाख रूपये कीमत का 5 किलो गांजा जप्त कर धारा 20बी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर उसे

गिरफ्तार किया गया था। आरोपी से पूछताछ से मिले अहम सुराग के आधार पर गांजा का अवैध व्यापार करने में संलिप्तता एवं अवैध व्यापार वित्त पोषण करने तथा आरोपी को संश्रय देने एवं सहायता करने के मामले में धारा 27(क), 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत आरोपी झारसुगड़ा उड़ीसा निवासी मनोज कुमार सिंह को भी गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में आरोपी अजय गुप्ता ग्राम बुन्दिया, थाना भटगांव के द्वारा भी पूर्व में पकड़े गए आरोपी करमबीर पाटिल को मादक पदार्थ का अवैध व्यापार करने में संलिप्तता, वित्त पोषण तथा आरोपी को संश्रय देते हुए सहायता करना पाए जाने पर उसे घेराबंदी कर बुधवार को पकड़ा गया। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी बसदेई विजय सिंह, एएसआई संजय सिंह, प्रधान आरक्षक आनंद सिंह, आरक्षक नीलेश जायसवाल, अभय तिवारी, प्रदीप सोनवानी व देवदत्त दुबे सक्रिय रहे।

मिलजुल कर कार्य करने से जिले के विकास की दिशा होगी सकारात्मक : चिंतामणि

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बुधवार को सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज जिले के लिए प्रवास पर थे। जहां उन्होंने जिले के सर्वांगिण विकास पर

सांसद ने ली जिला अधिकारियों की बैठक

कलेक्ट्रेट कक्ष में कलेक्टर एस जयवर्धन व अन्य जिला अधिकारी के साथ चर्चा की। बैठक में सड़क, बिजली, उचित मूल्य दुकान, शिक्षा, जल जीवन मिशन व राजस्व संबंधित प्रकरण को लेकर संबंधित विभाग प्रमुख के साथ चर्चा की गई। सांसद ने विशेष रूप से जिले के दूरस्थ अंचल क्षेत्र चांदनी बिहारपुर में निवासरत लोगों की मूलभूत जरूरतों की पूर्ति हेतु आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित

अधिकारियों को दिए। उन्होंने पेयजल पर विशेष फोकस करने की बात कही और जल जीवन के तहत प्रत्येक घर को स्वच्छ जल प्राप्त हो इसके लिए पीएचई के अभियंता को सतत मॉनिटरिंग के साथ युद्ध स्तर पर कार्य कराने का निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के सर्वांगीण विकास को लेकर राज्य व केंद्र के विभिन्न योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए शासन व प्रशासन को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करना होगा। उन्होंने आगे कहा जनप्रतिनिधि व अधिकारी एक दूसरे का पूरक है, मिलजुल कर कार्य करने से जिले की विकास दिशा सकारात्मक होगी।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, क्रेडा, खाद्य, वन व शिक्षा विभाग के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संस्कारवान और प्रगतिशील समाज के लिए शिक्षा के साथ बेहद आवश्यक है संस्कार : सांसद

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बुधवार को शा.उ.मा. विद्यालय सिलफिली में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन सांसद चिंतामणि

शा.उ.मा.वि. सिलफिली में हुआ वार्षिकोत्सव

महाराज के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। इस कार्यक्रम के दौरान सरस्वती वंदना नृत्य, गुरु दक्षिणा नाटक, छत्तीसगढ़ी नृत्य, बिहू नृत्य, कत्थक नृत्त्य, हरिणवी नृत्य, देशभक्ति नाटक, गरबा नृत्य, टॉलीवुड नृत्य और

कव्वाली गायन की प्रस्तुति सत्यम, शिवम,सुंदरम और मधुरम समूह द्वारा दी गई। इस अवसर पर बाबूलाल अग्रवाल व अन्य जनप्रतिनिधि, विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती विनीता यादव एवं विद्यालय के शिक्षकों समेत समस्त विद्यार्थीगण उपस्थित थे। इस दौरान सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सबसे बड़ा धन विद्या धन है और समाज के विकास में शिक्षा बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हम जिस संस्कारवान और प्रगतिशील समाज की कल्पना करते हैं उसके लिए शिक्षा के साथ संस्कार बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा शिक्षा ही एकमात्र ऐसा धन है जिसे खर्च करने पर बढ़ता है। संस्कार विहीन समाज से सभी तरफ अव्यवस्था फैलती है। इसलिए हमें निरंतर संस्कारवान और शिक्षित समाज के निर्माण के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में बच्चों के प्रस्तुति को देखते हुए उनके बेहतर भविष्य के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी (सा.) मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़ (छ.ग.)

नीलाम विज्ञापन

सामान्य सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि मनेन्द्रगढ वनमण्डल के काष्ठागार मनेन्द्रगढ़ में दिनांक 27-11-2024 को ईमारती काष्ठ/जलाऊ चट्टा एवं ट्रक व बोलेरो टायर, जप्त सायकल का अधोलिखित विवरण के अनुसार प्रातः 09:00 बजे से नीलाम किया जाना प्रस्तावित है। इच्छुक व्यक्तियों से अनुरोध है कि वे नीलाम में भाग लेवें। नीलाम शर्त एवं जानकारी कार्यालय से अथवा नीलाम स्थान से प्राप्त किया जा सकता है।

क्रेताओं को सलाह दी जाती है कि बोली बोलने के पूर्व प्रत्येक लॉट का भली-भांति निरीक्षण कर लेवें तथा संतुष्टि उपरांत ही बोली लगायें। नीलाम के समय घोषित मात्रा सही व अंतिम रूप से मान्य होगी।

क्र0	प्रजाति	नये काष्ठ		पुराने काष्ठ	
		लट्ठा घ0मी0	बल्ली नग	लट्ठा घ0मी0	बल्ली नग
1	सागौन	1.176	179	3.682	416
2	साल	0.071	170	240.025	597
3	खम्हार	11.178	45	0	0
4	सतकठा	0	0	2.093	13
5	तिंसा	0	0	0.074	3
6	साजा	0	0	11.650	0
7	हल्दू	0	0	3.310	16
8	धावड़ा	0	0	2.685	1
	योग:-	12.425	394	263.519	1046
1	जलाऊ मिश्रित	100 चट्टा नया		-	

उपयोग शुदा टायर

क्र.	उपयोग शुदा टायर का विवरण	नया लॉट टायर संख्या नग में	पुराना लॉट टायर संख्या नग में
1	ट्रक टायर	70 नग	-
2	बोलोरो टायर	34 नग	-
	योग :-	104 नग	-

जप्त सायकल

क्र.	विवरण	नया लॉट	पुराना लॉट
1	सायकल	25 नग	-

टीप :-
1. ईमारती काष्ठ की नीलामी पहले 09.00 बजे प्रातः में की जावेगी तत्पश्चात् जलाऊ चट्टों की नीलामी की जावेगी।
2. छत्तीसगढ़ राज्य के किसी भी वनमंडल का पंजीकृत ठेकेदार ही नीलाम में भाग ले सकेंगे।
3. समस्त क्रेता को आयकर पेन कार्ड, वाणिज्य कर का जी.एस.टी. रजिस्ट्रेशन एवं छ.ग. राज्य के किसी वनमण्डल का वर्ष 2024 के व्यापारी का रजिस्ट्रेशन की प्रति प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
4. कृपया क्रेता ईमारती एवं जलाऊ का ई.एम.डी. राशि का अलग-अलग चेक देवें।

वन मण्डलाधिकारी
मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल,
मनेन्द्रगढ़

जी-242503884/8

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी (सा.) मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़ (छ.ग.)

नीलाम विज्ञापन

सामान्य सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि मनेन्द्रगढ वनमण्डल के काष्ठागार जनकपुर में दिनांक 28-11-2024 को नया पुराना सागौन, साल ईमारती काष्ठ/जलाऊ चट्टा का अधोलिखित विवरण के अनुसार प्रातः 10:00 बजे से नीलाम किया जाना प्रस्तावित है। इच्छुक व्यक्तियों से अनुरोध है कि वे नीलाम में भाग लेवें। नीलाम शर्त एवं जानकारी कार्यालय से अथवा नीलाम स्थान से प्राप्त किया जा सकता है।

क्रेताओं को सलाह दी जाती है कि बोली बोलने के पूर्व प्रत्येक लॉट का भली-भांति निरीक्षण कर लेवें तथा संतुष्टि उपरांत ही बोली लगायें। नीलाम के समय घोषित मात्रा सही व अंतिम रूप से मान्य होगी।

क्र	प्रजाति	नये अविक्रित काष्ठ		पुराने अविक्रित काष्ठ			
		लट्ठा	बल्ली	लट्ठा		बल्ली	
		नग	घ0मी0	नग	घ0मी0	नग	घ.मी.
1	2	3	4	5	6	7	8
1	सागौन	350.000	1500	1597	105.567	2277	38.688
2	साल	150.000	150	8064	825.766	2335	61.312
3	हल्दू	0.250	0	3	0.399	0	0.000
4	साजा	0.250	0	77	7.400	31	0.828
5	धावड़ा	0:000	0	0	0.000	3	0.083
6	बीजा	0.000	0	4	0.337	4	0.205
7	सत्कठा	2.000	25	0	0	0	0
	योग:-	502.500	1675	9745	939.469	4650	101.116
8	मिश्रित जलाऊ	350 चट्टा नया जलाऊ		-			

टीप :-
1. ईमारती काष्ठ की नीलामी पहले 10.00 बजे प्रातः में की जावेगी तत्पश्चात् जलाऊ चट्टों की नीलामी की जावेगी।
2. छत्तीसगढ़ राज्य के किसी भी वनमंडल का पंजीकृत ठेकेदार ही नीलाम में भाग ले सकेंगे।
3. समस्त क्रेता को आयकर पेन कार्ड, वाणिज्य कर का जी.एस.टी. रजिस्ट्रेशन एवं छ.ग. राज्य के किसी वनमण्डल का वर्ष 2024 के व्यापारी का रजिस्ट्रेशन की प्रति प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
4. कृपया क्रेता ईमारती एवं जलाऊ का ई.एम.डी. राशि का अलग-अलग चेक देवें।

वन मण्डलाधिकारी
मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल,
मनेन्द्रगढ़

जी-242503874/9

आंबा केन्द्रों का समयबद्ध तरीके से नियमित एवं सुव्यस्थित करें संचालन : जयवर्धन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस जयवर्धन की अध्यक्षता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें कलेक्टर द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों का समयबद्ध तरीके से नियमित एवं सुव्यस्थित संचालन हेतु निर्देशित किया गया। पर्यवेक्षकों को उनके अधिनस्थ आंगनबाड़ी केन्द्रों का शत् प्रतिशत केन्द्रों का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। बच्चों को आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से स्कुल पूर्व गुणवत्तापूर्ण अनौपचारिक शिक्षा प्रदान करने हेतु निर्देशित किया गया। जिले अंतर्गत गंभीर कुपोषित बच्चों को शासन की योजना मुख्यमंत्री बाल संदर्भ, एन0आर0सी0 एवं सी0सैम0 आदि से शत् प्रतिशत लाभान्वित

करने हेतु निर्देशित किया गया। पोषण ट्रेकर एप्प में शत् प्रतिशत बच्चों की एण्ट्री एवं दैनिक गतिविधियों की एण्ट्री हेतु निर्देशित किया गया। केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना अंतर्गत पण्डो जनजाति को 100 प्रतिशत लाभान्वित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। आम जनों को आधार, बैंक खाता एवं जागरूकता कार्यक्रम किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। महतारी वंदना योजना अंतर्गत छूटे हुए पात्र हितग्राहियों को चिन्हांकित कर उन्हें ऑनलाइन ऑप्शन खुलने पर ऑनलाईन इंद्राज किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। महिलाओं एवं बच्चों हेतु संचालित सभी योजनाओं की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को चिन्हांकित कर वर्ष के अंतिम सप्ताह में आयोजन कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। सभी भवन विहीन आंगनबाड़ी भवनों का चिन्हांकन कर उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिए गए। पोषण ट्रैकर एप्प में शत प्रतिशत एण्ट्री के साथ नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए। समीक्षा बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, बाल विकास परियोजना अधिकारी, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, संरक्षण अधिकारी नवा बिहान, पर्यवेक्षक एवं केन्द्र प्रशासक सखी उपस्थित रहे।

दिवंगत पंचायत सचिव की पत्नी को दी गई 30 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। दिवंगत पंचायत सचिव कृष्ण प्रसाद सोनी की पत्नी श्रीमती संतरा देवी सोनी को 30 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई। यह सहायता जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदनी साहू द्वारा दी गई, जो एक्सिस बैंक द्वारा पंचायत सचिवों के लिए दुर्घटना मृत्यु बीमा योजना के तहत थी। यह योजना ग्राम पंचायत सचिवों के लिए एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच प्रदान करती है, जिससे उनके परिवारों को आर्थिक सुरक्षा मिलती है। शासन स्तर पर एक्सिस बैंक में सभी ग्राम पंचायत सचिवों के वेतन खातों के लिए एक एमओयू किया गया था, जिसमें खाताधारक के नॉमिनी को 30 लाख रुपये का दुर्घटना मृत्यु बीमा देने का प्रावधान है। कृष्ण प्रसाद सोनी की दुर्घटना में मृत्यु होने के बाद, उनकी पत्नी श्रीमती संतरा देवी सोनी को यह सहायता राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर एक्सिस बैंक के अधिकारी शाखा उपप्रबंधक अविश अम्बस्थ, क्लस्टर हेड पार्थो सिन्हा, बीएसएम सतपाल सिंह और शासकीय रिलेशनशिप मैनेजर रविन्द्र पाल उपस्थित थे।

जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर लगा गोंड व चेरवा समाज एवं अंबेडकर क्रांति सेना ने किया 30 यूनिट रक्तदान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां जिला अस्पताल में गोंड व चेरवा समाज तथा अंबेडकर क्रांति सेना छग ने रक्तदान शिविर का आयोजन कर 30 यूनिट रक्त जरूरतमन्दों के लिए दान किया है।

समाज प्रमुखों ने बताया कि आय दिन मरीजों को रक्त की जरूरत पड़ती है। जरूरतमंद मरीज व उनके परिजनों के द्वारा अपने समाज प्रमुखों से मदद मांगते है। जिसे ध्यान में रखकर बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर गोंड व चेरवा समाज एवं अंबेडकर क्रांति सेना के द्वारा निःशुल्क रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 30 यूनिट रक्तदान किए। रक्तदान करने वाले आनंद सिंह, गगन सिंह, तुलेश्वर पैकरा, रघुप्रताप सिंह टेकाम, विजय रक्सेल, सियाराम सोनपाकर, ईश्वरचंद चेरवा, मधुसूदन चेरवा, बंशबहादुर नागवंशी, राजेश कुमार सिंह, फलेश्वर सिंह, कमलकांत सिंह, अभिषेक

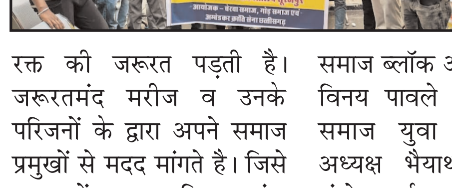

साहू, अर्पित सिंह, अंकित पैकरा, सत्य नारायण सिंह सर्व आदिवासी समाज ब्लॉक अध्यक्ष भैयाथान, विनय पावले सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग ब्लॉक अध्यक्ष भैयाथान, रामकुमार बंछोर सर्व आदिवासी समाज प्रदेश उपाध्यक्ष (छ.ग), संदीप कुशवाहा युवा अध्यक्ष कुशवाहा समाज × सामाजिक कार्यकर्ता, कृष्णा नारायण प्रताप चेरवा जिला अध्यक्ष शामिल है।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 9713108088
8719000259

कोरिया फ्रंटलाइन

जिला स्वच्छ भारत मिशन: हमारा शौचालय-हमारा सम्मान अभियान 10 दिसंबर तक चलेगा

स्वच्छता और शौचालय उपयोग का महत्व समझना होगा: कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। जिला स्वच्छ भारत मिशन की प्रबंध समिति की बैठक आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में हमारा शौचालय-हमारा सम्मान अभियान पर विशेष चर्चा हुई। यह अभियान मानव अधिकार दिवस 10 दिसंबर तक चलेगा, जिसमें स्वच्छता और शौचालय उपयोगिता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने कहा, स्वच्छता और शौचालय उपयोग का महत्व समझना और इसे बचपन से ही अपनाना आवश्यक है। खासकर महिलाओं और बुजुर्गों की सुविधा के लिए शौचालय का

निर्माण सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाना बेहद जरूरी है।ष् कलेक्टर ने जिले वासियों से अपील की है कि स्वस्थ जीवन के लिए अपने घर और परिसर को साफ रखें। उन्होंने विशेष रूप से शौचालय उपयोग और स्वच्छता के महत्व पर जोर दिया। बैठक में निर्णय लिया गया कि व्यक्तिगत शौचालय निर्माण के तहत पात्र हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र दिए जाएंगे।व्यक्तिगत, सामुदायिक, ब्लॉक, और जिला स्तर पर सर्वश्रेष्ठ शौचालय निर्माण को लेकर प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। पानी की गुणवत्ता परीक्षण पर ईकोलाई बैक्टीरिया की उपस्थिति का परीक्षण किया जाएगा। सामुदायिक शौचालय निर्माण की प्रगति का आकलन किया गया। स्वच्छाग्रहियों को सक्रिय रूप से जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा।

बता दें जिले में सामुदायिक शौचालयों में 6 पूर्ण, 17 प्रगतिरत और 13 अप्रारंभ वहीं व्यक्तिगत शौचालयों में 531 पूर्ण, 205 प्रगतिरत और 164 अप्रारंभ है। जिले के 243 ग्रामों में 233 ग्राम पृथक्करण शेड से सुसज्जित हैं। स्वच्छाग्रहियों के माध्यम से कचरा संग्रहण का कार्य किया जा रहा है। जिले के 67 ग्रामों को एस्पायरिंग और 176 ग्रामों को ओडीएफ प्लस मॉडल घोषित किया गया है। प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत ग्राम पंचायत लटमा में इकाई स्थापित की गई है, जबकि मझगवां में निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। इसके अलावा फिकल स्लज मैनेजमेंट यूनिट का काम चेरवापारा में पूरा हो चुका है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने कहा कि हमारा शौचालय-हमारा सम्मान अभियान के माध्यम से जिला प्रशासन सभी वर्गों को स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जल जीवन मिशन से फूल बाई बैगा हुई लाभान्वित

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले विकासखण्ड मनेंद्रगढ़ के पाराडोल के छोटे से गांव बैगापारा में जल जीवन मिशन ने ग्रामीण जीवन में क्रांतिकारी बदलाव किया है। वर्षों से स्वच्छ पेयजल की कमी से जूझ रहे इस गांव के लोग आज जल जीवन मिशन द्वारा नल-जल कनेक्शन के जरिए स्वच्छ और सुगम पेयजल का लाभ उठा रहे हैं। इस परिवर्तन की धुरी बनी हैं बैगापारा की निवासी फूल बाई बैगा, जिनकी कहानी इस मिशन की सफलता का प्रतीक बन गई है। बैगापारा जैसे दुर्गम क्षेत्रों में लंबे समय तक स्वच्छ पानी की व्यवस्था न होने के कारण लोग प्राकृतिक जल स्रोतों और छोटे मोटे कुओं पर निर्भर थे। इन स्रोतों की स्वच्छता और उपलब्धता अक्सर अनियमित रहती थी, जिससे जल जनित बीमारियां और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आम थी। महिलाओं और बच्चों को पानी भरने के लिए घंटों लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, जिससे उनकी शिक्षा और दैनिक जीवन भी प्रभावित होता था।

01 अप्रैल 2024 को जल जीवन मिशन के तहत बैगापारा में नल-जल आपूर्ति के प्रयास शुरू किए गए। सरकार ने गांव के हर घर को 100 प्रतिशत एफएचटीसी (फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन) से जोड़ने का लक्ष्य रखा। 18 नवंबर 2024 तक बैगापारा के प्रत्येक घर को नल कनेक्शन उपलब्ध कराया गया। यह सुनिश्चित किया गया कि सभी परिवारों को निजी स्रोतों के जरिए स्वच्छ पानी की नियमित आपूर्ति हो। जल जीवन मिशन के प्रभाव ने बैगापारा के लोगों के जीवन में अभूतपूर्व बदलाव लाया है। अब ग्रामीणों को पानी के लिए दूर नहीं जाना पड़ता। महिलाओं और बच्चों का समय और श्रम बचत होती है, वे लोग अपना समय अब शिक्षा, खेती और अन्य उत्पादक कार्यों में लगा रहे हैं। स्वच्छ पेयजल ने जल जनित बीमारियों की घटनाओं को काफी हद तक कम कर दिया है। फूलबाई बैगा ने इस योजना का व्यक्तिगत रूप से लाभ उठाया और इसे ग्रामीणों के लिए जीवन बदलने वाला अनुभव बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा यह पहल हमारे जैसे गांवों को आत्मनिर्भर और स्वस्थ बना रही है। अब हमारा जीवन पहले से कहीं ज्यादा सरल और सुरक्षित हो गया है।

बैगापारा की सफलता अन्य गांवों के लिए भी प्रेरणा स्रोत बन गई है। जल जीवन मिशन ने साबित किया है कि सही दिशा में किए गए ठोस प्रयासों से ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर, सशक्त और स्वस्थ बनाया जा सकता है। यह कहानी केवल सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन की नहीं, बल्कि गांववासियों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में उठाए गए एक बड़े कदम की मिसाल है। बैगापारा अब पूरे क्षेत्र में एक मॉडल गांव के रूप में उभर रहा है।

प्रभावित परिजन हेतु 04 लाख की राशि स्वीकृत

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने प्राकृतिक आपदा में जनहानि के एक मामले में प्रभावित परिजन को आर.बी.सी. 6-4 के तहत् 04 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि की स्वीकृत दी है। पत्थलगांव तहसील अंतर्गत ग्राम बालाझार निवासी राजनाथ का तालाब के पानी में डुबने से 19 अगस्त 2023 को मृत्यु हो गई। मृतक के निकटतम वारिस उनकी पत्नी फुलिता बाई हेतु 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

अवैध धान परिवहन एवं भण्डारण को रोकने जिला प्रशासन का करें सहयोग करने कलेक्टर ने की अपील

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 14 नवम्बर 2024 से धान खरीदी का कार्य प्रारंभ हो गया है, 31 दिसम्बर 2024 तक चलेगा। इस परिपेक्ष्य में अवैध धान संबंधित शिकायत प्राप्त होने पर अनुविभागीय अधिकारी एवं तहसीलदार के द्वारा भौतिक निरीक्षण व सत्यापन किया गया। जिसमें कुछ किसानों के द्वारा कटवाये गये टोकन में धान की मात्रा एवं उपलब्ध धान की मात्रा कम पाई गई। तहसील केल्हारी के सेमरिया गांव के किसान पन्नालाल का पंजीकृत रकबा 1.35 है। ऐप द्वारा टोकन की मात्रा 70 क्विंटल तथा निरीक्षण में 40 क्विंटल पाया गया। मनवारी गांव के किसान योगेन्द्र का पंजीकृत रकबा 0.04 है। ऐप द्वारा टोकन की मात्रा 20.4 क्विंटल तथा निरीक्षण में 12 क्विंटल पाया गया। इसी प्रकार केल्हारी गांव के किसान विवेक सिंह का पंजीकृत रकबा 0.04 है। ऐप द्वारा टोकन की मात्रा 20.4 क्विंटल तथा निरीक्षण में 12 क्विंटल पाया गया। सभी जगह भौतिक सत्यापन के दौरान 12 क्विंटल प्रति एकड़ अनुमानित उपज पाया गया। उक्त किसानों द्वारा स्वयं आप किसान पोर्टल/टोकन तुहंर द्वार के माध्यम से काटा गया। टोकन की मात्रा एवं वास्तविक उत्पादन में कॉफी अंतर है। जिले के कई गांव सीमावर्ती होने के कारण अवैध धान जिले के अंदर आने की संभावना है। इसे रोकने के लिए जिला प्रशासन द्वारा समय-समय पर कार्यवाही की जा रही है। जिले के किसान, जनप्रतिनिधि एवं मीडिया से आग्रह है कि अवैध धान के परिवहन एवं भण्डारण को रोकने हेतु सहयोग करें।

प्रधानमंत्री आवास योजना: कोरिया में लक्ष्य पूरा करने को लेकर कलेक्टर सख्त

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना को समय पर पूरा करने के उद्देश्य से कोरिया जिले की कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने बुधवार को जिला पंचायत के मंथन कक्ष में ग्राम पंचायतवार समीक्षा बैठक की। उन्होंने सभी पंचायत सचिवों और तकनीकी सहायकों को आवास निर्माण कार्य में तेजी लाने और संसाधन आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी उपस्थित थे। समीक्षा बैठक के दौरान धीमी प्रगति और लापरवाही बरतने पर ग्राम पंचायत बुढ़ार के सचिव श्री डेकचंद और ग्राम पंचायत मधोरा के सचिव श्री शिव कुमार को निलंबित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, पांच तकनीकी सहायकों और 24 पंचायत सचिवों का वेतन रोकने के आदेश दिए गए। इसके अलावा आज समीक्षा बैठक में गैरहाजिर रहने वाले सचिवों पर नाराजगी जाहिर करते हुए कलेक्टर ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि पंचायत सचिव और तकनीकी सहायक प्रतिदिन ग्राम भ्रमण करें और जिन हितग्राहियों को मकान निर्माण के लिए मदद की आवश्यकता है, उन्हें तुरंत संसाधन उपलब्ध कराएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि 20 दिसंबर 2024 तक पुराने स्वीकृत आवास हर हाल में पूर्ण किए जाएं और वर्ष 2024-25 में हितग्राहियों के स्वीकृत हुए समस्त आवास का कार्य आरम्भ कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट देने का निर्देश देते हुए कहा कि सभी हितग्राहियों के पक्के मकानों का निर्माण तय समय सीमा में पूरा होना चाहिए। पंचायत चुनाव से पहले इस योजना के शत- प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करना प्राथमिकता होगी। कलेक्टर ने कहा कि ''प्रधानमंत्री आवास योजना'' गरीबों के सपनों को साकार करने की योजना है। इसे सफल बनाने के लिए हर व्यक्ति को जिम्मेदारी और तत्परता से कार्य करना होगा। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़े जिला और जनपद स्तरीय अधिकारी, तकनीकी सहायक और पंचायत सचिव उपस्थित थे।

जनकपुर घघरा के हजारों वर्ष पुराने मंदिर नष्ट होने की कगार पर

संबोधन संस्था ने संरक्षण हेतु कलेक्टर से लगाई गुहार

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। मनेन्द्रगढ़, देवगढ़ और कैमूर पहाड़ियों से घिरे जनकपुर (भरतपुर) विकास खंड घघरा में हजारों वर्ष पुराने मंदिर की जर्जर स्थिति पर अंचल की सांस्कृतिक संस्था संबोधन साहित्य एवं कला विकास संस्थान मनेन्द्रगढ़ द्वारा चिंता व्यक्त करते हुए जिला कलेक्टर मनेन्द्रगढ़ को ज्ञापन सौपा है. संस्था ने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि घघरा में हजारों वर्ष पुराना यह मंदिर अपनी प्राचीन शिल्प कला एवं अद्भुत इंजीनियरिंग का उत्तम उदाहरण है। जो एमसीबी जिले के वर्तमान घनघोर जंगलों के बीच पुरातन कालीन सभ्यता के अवशेष के साक्ष्य है. दबी जुबान में मौर्य कालीन सिक्कों की इस अंचल से प्राप्ति के कारण किवदंतियों में यह मौर्यकालीन मंदिर कहा जाता है. पुरातत्ववेत्ता डा. वर्मा के अनुसार यह 13वीं शताब्दी का मंदिर है तथा राज्य सरकार के रिकॉर्ड में विगत 50 वर्षों से दर्ज है, किंतु जिले में प्राचीन सभ्यता के इस प्रमाण को

संरक्षित करने का अब तक कोई प्रयास नहीं किया जाना अंचल की उपेक्षा को दर्शाता है। विगत पाँच दशक से सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण हेतु प्रयासरत संस्था संबोधन ने जिला कलेक्टर से इसे संरक्षित करने एवं आसपास की भूमि मे चहारदीवारी बनाकर एक पार्क विकसित करने का अनुरोध किया है. ताकि जनकपुर से कोटाडोल रामवन गमन मार्ग के मध्य स्थित इस मंदिर से आने वाले पर्यटक परिचित हो सके, और इस अंचल की प्राचीन सभ्यता को जान सके. संरक्षण कार्य से आसपास की भूमि के अनधिकृत कब्जे से मुक्त इस स्थल से स्थानीय ग्रामीणों को जहां रोजगार मिलेगा वहीं नगर समितियां की देखरेख का जिम्मा सौंपने से उन्हें भी रोजगार के संसाधन उपलब्ध होंगे. माननीय जिलाधीश श्री राहुल वेंकट जी ने संरक्षण हेतु संस्था को विश्वास दिलाया है । स्मरणीय है कि पर्यावरण एवं धरोहर चिंतक बीरेंद्र श्रीवास्तव द्वारा अंचल के धरोहरों पर साप्ताहिक लेखो के प्रकाशन से घाघरा मंदिर के संरक्षण की दास्तान वर्तमान में लोगों की चर्चा का विषय बना हुआ है. अलग-अलग स्तर पर सामाजिक संस्थायें इसे बचाने एवं संरक्षित करने हेतु प्रयासरत है. जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों द्वारा सही समय पर आवाज उठाने और प्रयासों से ही हजारों साल की सभ्यता के प्रतीक इन मंदिरों को बचाया जा सकेगा. जो आज समय की माँग है।

कक्षा 11वीं में प्रवेश हेतु 26 नवम्बर तक आवेदन आमंत्रित

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय बैकुण्ठपुर के प्राचार्य ने बताया कि कक्षा 11वी में सत्र 2025-26 में प्रवेश के लिए निःशुल्क ऑनलाइन आवेदन करने के लिए अंतिम तिथि 26 नवम्बर 2024 निर्धारित की गई है। जिले में मान्यता प्राप्त विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा 10वीं के विद्यार्थी किसी भी कंप्यूटर सेंटर अथवा कामन सर्विस सेंटर व लोकसेवा केन्द्र के माध्यम से आवेदन कर सकते है। उन्होने बताया कि विद्यार्थी वेबसाइट व लिंक और पर जाकर भी आवेदन कर सकते है। अधिक जानकारी के लिए पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय बैकुण्ठपुर कोरिया से सम्पर्क किया जा सकता है।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर बैकुंठपुर में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैकुंठपुर के खेल मैदान में जनजातीय गौरव दिवस का भव्य आयोजन स्कूल शिक्षा विभाग और खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस अवसर पर बालिका छात्रावास बैकुंठपुर की छात्राओं के लिए खेलकूद प्रतियोगिताओं के साथ-साथ जिला स्तरीय रंगोली और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उरांव समाज के मुखिया विश्वास भगत ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के संघर्षों और योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी प्रेरणा हमें सामाजिक और सांस्कृतिक समरसता की दिशा में कार्य करने की प्रेरणा देती है। बालिकाओं ने दौड़, कबड्डी और अन्य पारंपरिक खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने जनजातीय जीवन और भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर आधारित आकर्षक रंगोलियां बनाई और भगवान बिरसा मुंडा के योगदान और जनजातीय समाज के महत्व पर आधारित निबंध प्रतियोगिता में छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

जनजातीय गौरव दिवस का उद्देश्य भगवान बिरसा मुंडा के जीवन और उनके आदर्शों को याद करते हुए जनजातीय समाज की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करना है। मुख्य अतिथि श्री विश्वास भगत ने अपने संबोधन में कहा, भगवान बिरसा मुंडा ने अपने संघर्ष से समाज को एक नई दिशा दी। हमें उनके आदर्शों पर चलते हुए समाज को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य करना चाहिए।ष् इस आयोजन ने जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपरा और गौरव को नए आयाम दिए। उपस्थित छात्राओं और शिक्षकों ने इसे प्रेरणादायक और उत्साहवर्धक बताया। आयोजन को सफल बनाने में संबंधित विभागों और स्कूल के शिक्षकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

21 नवम्बर को कटगोड़ी में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन

बैकुंठपुर। जिला प्रशासन ने सोनहत तहसील के ग्राम कटगोड़ी में 21 नवंबर 2024 को जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने जिला अधिकारियों से कहा है कि उक्त शिविर में पहुंचकर महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में आम लोगों को अवगत कराएं। श्रीमती त्रिपाठी ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा है कि इस शिविर में बड़ी संख्या में आए और अपनी समस्याओं को दर्ज कराएं।

बता दें जनसमस्या निवारण शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करना और जनहित के मुद्दों पर तत्परता से कार्यवाही करना है। इन शिविरों में जिला प्रशासन व विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। शिविर के दौरान नागरिक अपनी शिकायतें दर्ज करवा सकेंगे और तुरंत आवश्यक सहायता प्राप्त कर सकेंगे।

राजस्व के लंबित प्रकरणों का निराकरण करें गंभीरता से

जशपुरनगर। कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर सीमांकन, बटांकन, नामांतरण, अविवादित नामांतरण, डाइवर्जन, खाता विभाजन, रिकार्ड दूरूस्तीकरण के कार्यो को गंभीरता से करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों को अपने क्षेत्र के सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं और लोगों को दी जाने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी लेने के लिए कहा है। स्वास्थ्य केन्द्र में साफ-सफाई की व्यवस्था, पेयजल की उपलब्धता, मैनू के आधार पर मरीजों की दी जाने वाली भोजन, भवन की स्थिति, दवाईयों की रख-रखाव व उपलब्धता, केन्द्र में नल की स्थिति, लाईट की सुविधा, डॉक्टरों की उपस्थिति सहित सभी मूलभूत सुविधाओं की जानकारी लेकर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा है। ताकि मरीजों को सभी बुनियादी सुविधाएं मिल सके।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा